सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 99 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 21 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### छत्तीसगढ़ में बढ़ सकती है धान खरीदी की तारीख

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में सीएम हाउस में कैबिनेट की बैठक हो रही है। इस बैठक में रायपुर में लागू पुलिस कमिश्नरी व्यवस्था को और मजबूत करने के साथ-साथ राज्य में 31 जनवरी तक चल रही धान खरीदी की समय-सीमा को आगे बढ़ाने को लेकर मंथन किया हो रहा है। दोनों ही विषयों को कैबिनेट बैठक के प्रमुख एजेंडे के रूप में शामिल किया गया है। बैठक में सभी मंत्री, सीनियर अधिकारी और संबंधित विभाग के अफसर मौजूद है।

### SIR के लिए बढ़ सकता है दावा-आपत्ति का समय

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दावा-आपत्ति की समय-सीमा एक हफ्ते के लिए बढ़ाई जा सकती है। राज्य निर्वाचन आयोग ने इससे जुड़ा प्रस्ताव केंद्रीय निर्वाचन आयोग को भेज दिया है। अब केंद्रीय स्तर से मंजूरी मिलने के बाद इसे लेकर आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता सामने आए हैं, जिनका सत्यापन अब तक पूरा नहीं हो पाया है।

### कोहरे में 4 गाड़ियां भिड़ीं, 5 ट्रेनें लेट; नदियां जमीं

**नई दिल्ली।** राजस्थान के सीकर जिले में बुधवार सुबह धुंध के कारण चार बस-ट्रक की भिड़ंत हो गई। हादसे में 10 लोग घायल हो गए। बिहार के अररिया, पूर्णिया सहित 5 जिलों में कोहरा के कारण 5 ट्रेनें लेट चल रही हैं। उधर, यूपी सहित देश के 6 राज्यों में दो दिन बाद बारिश की संभावना है। राजस्थान में ओले भी गिर सकते हैं। उत्तरकाशी में चीन सीमा से लगी नेलांग घाटी में नदियां जम गईं।

### प्रयागराज में एयरफोर्स का प्लेन क्रैश, तालाब में गिरा

**प्रयागराज।** बुधवार दोपहर सेना का एयरक्राफ्ट तालाब में गिर गया, जहां हादसा हुआ वह शहर का बीचों-बीच का इलाका है। यह एक ट्रेनिंग विमान था। यह उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। यहां तालाब से सटा हुआ स्कूल और रिहायशी कॉलोनियां हैं।

## गणतंत्र दिवस पर पहली बार कर्तव्यपथ पर उतरेगी भैरव बटालियन, दुश्मन के छक्के छुड़ाने में है सक्षम

**नई दिल्ली (ए.)।** सुरक्षा और आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय सेना ने एक खास बटालियन तैयार की है। इसका नाम भैरव बटालियन रखा गया है। इसके लिए रेगुलर इंफैन्ट्री से खास जवानों को चुना गया है। उन्हें खास प्रशिक्षण दिया गया है। उन्हें स्पेशल फोर्सेस के सान्निध्य में ट्रेनिंग दी गई है तथा अत्याधुनिक हथियारों से लैस किया गया है। भैरव बटालियन पहली बार कर्त्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होगा। इससे पहले उसे जयपुर में आयोजित सेना दिवस परेड में देखा गया था।

नसीराबाद की सैनिक छावनी में तैयार हुई इस फोर्स का नाम 'भैरव बटालियन' रखा गया है। इन्हें पाकिस्तान और चीन के साथ लगे बॉर्डर पर त्वरित हमला करने के लिए तैयार किया गया है। ऐसी पांच बटालियनें बनाई गई हैं जिनमें से प्रत्येक में 250 जवान हैं। प्रत्येक बटालियन में कई अफसर भी हैं। बॉर्डर पर दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सेना 23 भैरव बटालियन बनाएगी। सेना में अभी

415 इन्फेंट्री बटालियन हैं।

भैरव बटालियन रेगुलर इन्फेंट्री और स्पेशल फोर्सेज के बीच की कमी को पूरा करेंगी। इन यूनिटों को लेटेस्ट हथियार, गैजेट और ड्रोन से लैस किया गया है। ये तेजी से कार्रवाई करने और मुश्किल हालातों में काम करने के लिए तैयार रहेंगी।

पहली पांच 'भैरव' यूनिट में से तीन उत्तरी कमान के तहत बन रही हैं। एक यूनिट लेह में 14 कोर, श्रीनगर में 15 कोर और नगरोटा में 16 कोर के लिए होगी। चौथी यूनिट पश्चिमी सेक्टर के रेगिस्तान में और पांचवीं पूर्वी सेक्टर के पहाड़ी इलाके में होगी।

भैरव बटालियन दुश्मन पर अत्याधुनिक तरीके से निगरानी रखते हुए वार करने में सक्षम होगी। भैरव बटालियन को नई सोच, नई तकनीक और नई आपरेशनल जरूरत के हिसाब से तैयार किया गया है। भैरवों को रेगिस्तानी, बर्फीली और पहाड़ जंगलों की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया गया है। भैरव बटालियन सेना के लिए तीव्र, सक्षम और निर्णायक बटालियन साबित होगी।

## नारसी मोंजी कैम्पस के लिए 90 साल की लीज को मंत्रिपरिषद का अनुमोदन

- अटल नगर में चार नए उद्यमिता केंद्रों की स्वीकृति
- स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए भी निर्णय

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में कैबिनेट की बैठक हुई जिसमें अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

नवा रायपुर अटल नगर में उच्च कोटि का शैक्षणिक संस्थान स्थापित किये जाने हेतु श्री विले पारले कलावनी मंडल को उनके नरसी मोंजी प्रबंधन अध्ययन संस्थान की स्थापना के लिए सेक्टर-18 में चिन्हांकित लगभग 40 एकड़ भू-खण्ड लीज की 90 वर्षों के लिए स्वीकृति

प्रदान की है।

मंत्रिपरिषद द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में 04 नवीन उद्यमिता केन्द्रों की स्थापना के लिए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के साथ एमओयू का निर्णय लिया है। इससे राज्य में आईटी/आईटीईएस उद्योग तथा तकनीकी स्टार्ट-अप इको सिस्टम को प्रोत्साहित करने में यह एमओयू महत्वपूर्ण होगा।

एसटीपीआई के 68 केन्द्र संचालित है, जिनमें 60 भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्थित है। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफइंडिया छत्तीसगढ़ सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से एआई, मेडटेक (हर्बल मेडिसिन एवं वन उत्पाद आधारित), स्मार्ट सिटी तथा स्मार्ट एग्री उद्यमिता केन्द्रों के माध्यम से आगामी तीन से पांच सालों में डोमेन विशेष के 133 स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देंगे।

मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओ में गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, वर्तमान संसाधनों को सुदृढीकरण करने तथा निर्धारित मानक के अनुसार जांच की संख्या बढ़ाने के लिए राज्य के जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में लैब के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक निर्णय लिए गए हैं।

## रायपुर में बलात्कार के आरोपी की दुकान को निगम ने ढहाया

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** 9 साल की बच्ची से लगातार पांच दिनों तक बलात्कार करने के आरोपी की अवैध दुकान को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया गया। आरोपी अब्दुल सज्जाद अंसारी (65) पर 9 साल की बच्ची से लगातार 5 दिनों तक रेप करने का आरोप है। आरोप है कि उसने बच्ची को चॉकलेट देने के बहाने अपने घर ले गया और लगातार पांच दिनों तक उसके साथ दुष्कर्म किया।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। घटना सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसके बाद नगर निगम ने आरोपी के अवैध निर्माण को जमींदोज कर दिया है। आरोपी ने अवैध तरीके से निर्माण करवाया था जिसे निगम की टीम ने ढहा दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने 7 से 11 जनवरी के बीच अपने ही मोहल्ले की 9 साल की बच्ची को चॉकलेट और खाने-पीने की चीजों का लालच देकर कई बार अपने घर बुलाया और उससे दुष्कर्म किया। जब बच्ची दर्द के कारण रोती हुई मिली तो उसकी चाची ने पूछताछ की। मामला सामने आने पर परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। बच्ची ने बताया कि आरोपी किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देता था।

## परीक्षा पे चर्चा में शामिल होगी महासमुंद की बेटी सृष्टि

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** परीक्षा पे चर्चा के नवें संस्करण में महासमुंद जिले के स्वामी आत्मानंद विद्यालय, नयापार की गणित संकाय की छात्रा सृष्टि साहू का चयन किया गया है। सृष्टि के पिता नरेन्द्र कुमार साहू एक शिक्षक हैं तथा माता श्रीमती दिनेश्वरी गृहणी हैं।

सृष्टि साहू के चयन पर जिला कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने उनसे भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। शाला की प्राचार्या अमी रूफस ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि सृष्टि एक अनुशासित, परिश्रमी एवं अध्ययनशील छात्रा है। उन्होंने यह भी बताया कि सृष्टि बाल दिवस के अवसर पर शाला नायक की भूमिका में प्राचार्य की कुर्सी पर बैठकर नेतृत्व प्रदान कर चुकी है। शाला प्राचार्य के अनुसार विद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा परीक्षा पे चर्चा में विद्यार्थियों के पंजीयन हेतु विशेष प्रयास किए गए। विद्यालय में 100 प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया गया तथा विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास भी कराया गया, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया। सृष्टि साहू के चयन पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार लहरे एवं शिक्षा विभाग द्वारा हार्दिक बधाई दी गई। छात्रा के दिल्ली प्रवास से जुड़ी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण कराने में जिला परियोजना समन्वयक रेखराज शर्मा मदद कर रहे हैं।

## बिल्डरों को राहत देने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार किया मिलीभगत और साजिशों की ओर इशारा

**नई दिल्ली** (एंजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि प्रथम दृष्टया वह इस बात से आश्वस्त है कि रियल एस्टेट कारोबारियों और वित्तीय संस्थानों के बीच सब्सिडी योजना का दुरुपयोग करने के लिए एक सुनियोजित और गहरी साजिश रची गई थी, जिससे उन घर खरीदारों को परेशानी हुई जो फ्लैटों के लिए वर्षों से ईएमआई का भुगतान करते रहे लेकिन उन्हें अभी तक फ्लैट नहीं मिले।

सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट कारोबारियों और वित्तीय संस्थानों के बीच सब्सिडी योजना के दुरुपयोग पर चिंता जताई है, जिससे घर खरीदार वर्षों से ईएमआई भरने के बावजूद फ्लैटों से वंचित हैं। सीबीआई ने बिल्डरों के खिलाफ 28 मामले दर्ज किए हैं, जिनमें से तीन में आरोपपत्र दाखिल हो चुके हैं।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि अदालत के आदेशों का पालन करते हुए सीबीआई ने अब तक बिल्डरों के खिलाफ 28 नियमित मामले (एफआईआर) दर्ज किए हैं और तीन मामलों में जांच पूरी कर ली है, जिनमें आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं। बेंच ने निचली

अदालत को दो सप्ताह के भीतर आरोपपत्रों पर संज्ञान लेने का निर्णय लेने और फिर सुनवाई को शीघ्रता से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया।

दिलचस्प बात यह है कि तीनों आरोपपत्रों में - रुद्र बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड (केबीनाउज अपार्टमेंट्स, ग्रेटर नोएडा), ड्रीम प्रोकॉन प्राइवेट लिमिटेड और लॉजिक्स सिटी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (विक्ट्री ऐस प्रोजेक्ट, नोएडा), जयपी इंफ्राटेक और जयप्रकाश एसोसिएट्स (ऑर्चर्ड्स प्रोजेक्ट नोएडा) - केवल रियल एस्टेट कंपनियों के निदेशकों को ही आरोपी बनाया गया है, बैंक अधिकारियों को इसमें शामिल नहीं किया गया है।

### शादी अमान्य होने पर भी देना होगा गुजारा भत्ता

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी शादी को कानूनन 'अमान्य' या रद्द भी घोषित कर दिया जाए, तब भी पत्नी अपने पति से स्थायी गुजारा भत्ता और अंतरिम भरण-पोषण पाने की हकदार है। जस्टिस अभय एस. ओका, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन जजों की बेंच ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि जिस जीवनसाथी की शादी को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 11 के तहत 'अमान्य' (शून्य) घोषित किया गया है, वह भी धारा 25 के तहत स्थायी गुजारा भत्ता मांग सकता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कानून में कोई भी डिक्री शब्द का इस्तेमाल हुआ है, जिसमें शादी को रद्द करने वाले फैसले भी शामिल हैं। हालांकि, यह राहत देना कोर्ट के विवेक और मामले के तथ्यों पर निर्भर करेगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक केस चल रहा है, तब तक भी पत्नी अंतरिम भरण-पोषण की मांग भी कर सकती है।

## ऑटो एक्सपो; आरटीओ टैक्स में 50 फीसद की छूट

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में परिवहन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन द्वारा 20 जनवरी 2026 से 05 फरवरी 2026 तक श्री राम बिजनेस पार्क, एमजीएम हॉस्पिटल के सामने, विधानसभा रोड, सड्डू रायपुर में ऑटो एक्सपो 2026 का आयोजन किया जा रहा है। उक्त ऑटो एक्सपो में विक्रय होने वाले वाहनों पर परिवहन विभाग द्वारा एकमुश्त 50 प्रतिशत जीवनकाल कर (आरटीओ टैक्स) में छूट प्रदान की जा रही है, जिससे प्रदेश के आम नागरिकों को बड़ा आर्थिक

लाभ मिलेगा।

ऑटो एक्सपो 2026 का आयोजन 20 जनवरी 2026 से 05 फरवरी 2026 तक श्री राम बिजनेस पार्क, रायपुर में किया जा रहा है। इस अवधि में वाहन क्रय करने वाले ग्राहकों को आरटीओ टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। यह प्रदेश का पहला ऑटो एक्सपो है, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ के आम नागरिकों को लाभ मिलेगा। वाहन खरीदने के लिए आमजन को रायपुर आने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि वे अपने शहर अथवा गांव के निकटतम प्रतिभागी/पंजीकृत डीलरों के माध्यम से इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

ऑटो एक्सपो-2026 के अंतर्गत सभी नागरिकों को अपने गृह जिले में ही वाहन पंजीयन कराने की सुविधा उपलब्ध होगी। अर्थात, क्रय किए गए वाहन पर अपने गृह जिले के परिवहन कार्यालय का पंजीयन चिन्ह (आरटीओ कोड) प्राप्त किया जा सकेगा। दूरस्थ क्षेत्रों के डीलर्स भी इस ऑटो एक्सपो में भाग ले रहे हैं, जिससे उन्हें रोजगार के उपयुक्त अवसर प्राप्त होंगे।

### टोल नहीं चुकाया तो होंगे ये बड़े नुकसान

**नई दिल्ली।** सरकार ने केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन किया है। अगर किसी गाड़ी वाले ने एनएचएआई की सड़कों पर टोल नहीं भरा तो उसकी गाड़ी को एनओसी जारी नहीं की जाएगी। ऐसे गाड़ी वाले की गाड़ी का ना तो फिटनेस रिन्यूअल होगा और ना ही वह अपनी गाड़ी को आगे बेच सकेगा। केन्द्र सरकार ने नए निर्देश देश में बैरियर फ्री टोल सिस्टम लागू करने की दिशा में चल रहे केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के प्रयासों के तहत किया है। अब बकाया टोल जमा करने के बाद ही टोल टैक्स चुराने वालों की गाड़ी को एनओसी मिल सकेगी।

## लोकसभा में हाजिरी का नया नियम, सीट पर रहना होगा

- जब सदन चल रहा होगा तभी दर्ज करा पाएंगे उपस्थिति

**नई दिल्ली (एजेंसियां)।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। इस बदलाव के बाद लोकसभा सांसद आगामी बजट सत्र से केवल अपनी निर्धारित सीटों से ही हाजिरी लगा पाएंगे। अटेंडेंस प्रक्रिया में इस बदलाव का मकसद सांसदों को सदन की कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को बताया कि आगामी बजट सत्र से लोकसभा सांसद केवल अपने निर्धारित सीटों से ही अपनी हाजिरी लगा पाएंगे। जबकि पहले सदस्य लॉबी से अटेंडेंस लगा सकते थे, अब इस व्यवस्था को बंद कर दिया जाएगा, ताकि सासंदों को सदन की कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

ओम बिरला ने लखनऊ में 86वीं अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि संसद में गंभीरता और अनुशासन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब सांसद केवल तभी अपनी उपस्थिति दर्ज करा पाएंगे जब सदन चल रहा होगा। अगर सदन स्थगित हो जाता है, तो वे हाजिरी नहीं लगा पाएंगे, इसके लिए भले ही स्थगन हंगामे के कारण हुआ हो। बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू हो रहा है।

इस फैसले का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सांसदों की हाजिरी केवल संसद परिसर में उनकी मौजूदगी को नहीं, बल्कि कार्यवाही में उनकी सक्रिय भागीदारी को दर्शाए। इसके लिए लोकसभा में हर सीट पर ऐसे कंसोल लगाए गए हैं, जिनसे सांसद अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। स्पीकर ने बताया कि यह सुधार संसदीय प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने और विधायी सत्रों की उत्पादकता बढ़ाने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

## संपादकीय

# मददवीर अग्निवीर

### हरियाणा की सुरक्षा के लिये प्रशिक्षित जवान

सेना में अग्निवीर योजना के क्रियान्वयन के वक्त इनकी अल्पकालिक सेवा और सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। लेकिन अब धीरे-धीरे कई आशंकाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। प्रशिक्षित अग्निवीरों के लिये नये-नये अवसर बन रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने राज्य में गठित होने जा रही डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। यह सुखद ही है कि अग्निपथ योजना के पहले बैच के सेवा काल की समाप्ति से पहले हरियाणा सरकार ने उनके समायोजन की पहल की है, जिसका अनुकरण देश के अन्य राज्यों को भी करना चाहिए। जिससे इस कुशल-प्रशिक्षित युवा शक्ति की ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल की पहल हो सके। दरअसल, हरियाणा में स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को वरीयता देने की बात कही गई है। निश्चय ही इस कदम से जहां अग्निवीरों की नई पीढ़ी सामने आएगी, वहीं राज्य को इनके कुशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह भी हकीकत है कि बदलते वक्त के साथ आपदाओं की पुनरावृत्ति व घातकता बढ़ रही है, उससे जूझने के लिये भी अनुभवी व प्रशिक्षित बल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। जो एक स्थायी, पेशेवर और पूर्णकालिक बल के जरिये ही संभव हो सकता है। दरअसल, हरियाणा में सरकार ने भरोसा दिलाया है कि राज्य में गठित होने वाली एसडीआरएफ बटालियन में अधिकतम संख्या अग्निवीरों की ही होगी। विश्वास किया जा रहा है कि अग्निवीरों वाली एसडीआरएफ प्राकृतिक आपदाओं मसलन बाढ़,भूकंप, औद्योगिक दुर्घटनाओं, अग्निकांडों व रासायनिक आपदाओं की चुनौती का सफलता से मुकाबला कर सकेगी। माना जा रहा है कि अग्निवीरों को मिला कठोर प्रशिक्षण आपातकालीन स्थितियों से मुकाबले में मददगार साबित होगा। दरअसल, ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों में तीव्र गति से कार्रवाई करते नागरिकों के जीवन की रक्षा करने की प्राथमिकता होती है। जो प्रशिक्षित और अनुभवी टीम के द्वारा ही संभव हो सकता है। कहा जा रहा है कि राज्य की सभी डिविजनों में क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात की जाएंगी।

“ निश्चय ही इस कदम से जहां अग्निवीरों की नई पीढ़ी सामने आएगी, वहीं राज्य को इनके कुशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह भी हकीकत है कि बदलते वक्त के साथ आपदाओं की पुनरावृत्ति व घातकता बढ़ रही है, उससे जूझने के लिये भी अनुभवी व प्रशिक्षित बल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। जो एक स्थायी, पेशेवर और पूर्णकालिक बल के जरिये ही संभव हो सकता है। दरअसल, हरियाणा में सरकार ने भरोसा दिलाया है कि राज्य में गठित होने वाली एसडीआरएफ बटालियन में अधिकतम संख्या अग्निवीरों की ही होगी।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में नोएडा में धुंध के चलते हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवा इंजीनियर की मौत हुई। बेटे को मौत के मुंह में समाते देख असहाय पिता ने पुलिस से मदद मांगी। लेकिन मदद के लिये पहुंची टीम के पास इस चुनौती का मुकाबला करने के लिये जरूरी उपकरण व अनुभव नहीं था। ऐसे में युवा इंजीनियर ने पिता के सामने ही डूबकर दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद तमाम लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद आपदा राहत बल को प्रशिक्षित करने और जीवन रक्षा के तमाम उपकरण उपलब्ध कराने की जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे में हरियाणा में एसडीआरएफ बटालियन के गठन और उसमें प्रशिक्षित व अनुभवी अग्निवीरों की तैनाती की घोषणा के बाद उम्मीद जगी है कि हरियाणा की सुरक्षा कुशल हाथों में रहेगी। तब प्राकृतिक, औद्योगिक व आगजनी आदि की घटनाओं में जन-क्षति को कम करने में मदद मिल सकेगी। हालांकि, अब तक हरियाणा में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आईआरबी की बटालियन पहले ही नोडल डिजास्टर रिस्पॉन्स एजेंसी के रूप में सक्रिय रही है। इसके अंतर्गत सैकड़ों कर्मचारियों को आपदाओं से निबटने के लिये प्रशिक्षण दिया जा चुका है। लेकिन आपदाओं व दुर्घटनाओं की घातकता के मद्देनजर स्पेशल व स्थायी बल की आवश्यकता लगातार महसूस की जाती रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अनुभवी नेतृत्व में प्रशिक्षित टीम व आधुनिक जीवन रक्षा उपकरण उपलब्ध कराये जाने से एसडीआरएफतमाम चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकेगी। निश्चित रूप से अग्निवीरों की सेना में कुशल ट्रेनिंग, अनुशासन के साथ चुनौतियों का मुकाबला करने का प्रशिक्षण व फील्ड में हासिल अनुभव स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स को प्रभावी बनाएगा। जिसके आधार पर ही सरकार ने उन्हें एसडीआरएफ बटालियन में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। निश्चित तौर पर इससे राज्य में आपदा में तुरंत प्रतिक्रिया क्षमता को संबल मिलेगा। साथ ही अग्निवीरों को अपनी क्षमता प्रदर्शन का नया मंच मिलने से, युवा सेना की अग्निवीर योजना को कैरियर के विकल्प के रूप में चुन सकेंगे।

# एआई से आत्मनिर्भरता : महिलाओं और युवाओं का नया भविष्य

कविता भाटिया

भारत इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की तैयारियों में जुटा है। इस समिट में दुनिया भर के एआई के धुरंधर शामिल होंगे और इस वैश्विक मंच पर भारत के युवाओं को भी अपना पुरुषार्थ दिखाने का अवसर मिलेगा। अब एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल मशीनों, एल्गोरिदम या ऑटोमेशन तक सीमित नहीं है। असली चर्चा इस बात की है कि एआई को सभी के लिए उपयोगी और सुलभ कैसे बनाया जाए। खासतौर पर महिलाओं, युवाओं और उन कामगारों के लिए, जो अब तक औपचारिक अर्थव्यवस्था से दूर रहे हैं।

एआई की सबसे बड़ी ताकत यह नहीं है कि वह इंसानों की जगह ले ले, बल्कि यह है कि वह इंसानों की क्षमता बढ़ाए। अगर सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो एआई महिलाओं को आत्मनिर्भर बना सकता है, युवाओं को नए कौशल दे सकता है और असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों को सुरक्षा और अवसर दोनों दे सकता है।

इसी सोच के साथ मार्च 2024 में सरकार ने इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी। इस मिशन का उद्देश्य है—भारत में एआई का विकास करना और एआई को भारत की जरूरतों के अनुसार काम में लाना। इसके तहत कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने, नए इनोवेशन सेंटर खोलने, भरोसेमंद डेटा प्लेटफॉर्म बनाने, एआई आधारित एप्लिकेशन विकसित करने, युवाओं को भविष्य के कौशल सिखाने और स्टार्टअप्स को वित्तीय मदद देने जैसे कई कदम उठाए गए। उनके सकारात्मक और सुखद परिणाम अब शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक, लैब से लेकर खेतों तक और संगीत व कला जैसे हर क्षेत्र में दिखाई देने लगे हैं।

इस मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है इंडिया एआई इनोवेशन सेंटर, जहाँ खास तौर पर समावेशी विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। यहाँ ऐसे एआई मॉडल तैयार किए जा रहे हैं, जो भारत की भाषाई और सामाजिक विविधता को समझ सकें। ये मॉडल किसानों, महिला उद्यमियों, गिग वर्कर्स और छोटे व्यापारियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाए जा रहे हैं। क्षेत्रीय भाषाओं में काम करने वाले एआई सहायक, छोटे-छोटे सलाह देने वाले डिजिटल टूल और अलग-अलग क्षेत्रों के लिए ज्ञान आधारित सिस्टम इसी दिशा में काम कर रहे हैं।

### एआई समिट से निकलेगी राह

दुनिया के कई देशों में एआई को केवल उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के औज़ार के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन भारत में एआई का असली असर रोज़गार, सुरक्षा, प्रशिक्षण और अवसर के रूप में सामने आ रहा है। फरवरी 2026 में होने वाले इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में इसी सोच पर चर्चा होगी कि एआई का इस्तेमाल जनता, विकास और धरती के हित में कैसे किया जाए।

आज भारत की गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में महिलाएं एआई की मदद से नई पहचान बना रही हैं। कई महिला उद्यमी एआई आधारित ऑनलाइन बाज़ारों से जुड़कर अपना कारोबार बढ़ा रही हैं। वहीं, टैक्सी चलाने वाली या डिलीवरी का काम करने वाली महिलाएं एआई आधारित सुरक्षा सुविधाओं की वजह से ज़्यादा सुरक्षित और आत्मविश्वास से भरी महसूस कर रही हैं।

उदाहरण के लिए, ब्यूटी और हेल्थ से जुड़े प्लेटफॉर्म एआई का इस्तेमाल कर ग्राहकों को सही सेवा प्रदाता से जोड़ते हैं। इसमें स्थान, कौशल और पुराने अनुभव जैसी जानकारियों का ध्यान रखा जाता है। इससे महिलाओं को लचीले काम के घंटे, तय आमदनी और बेहतर सुरक्षा मिलती है। इसी तरह, टैक्सी और डिलीवरी सेवाओं में रियल-टाइम लोकेशन शेयरिंग और वॉयस-एक्टिवेटेड इमरजेंसी फीचर जैसी सुविधाओं ने महिला ड्राइवर्स का भरोसा बढ़ाया है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में भी एआई डिजिटल समावेशन को आगे बढ़ा रहा है। क्षेत्रीय भाषाओं में काम करने वाले एआई सहायक और आवाज से चलने वाली डिजिटल भुगतान सेवाएं उन महिलाओं के लिए मददगार साबित हो रही हैं, जो पढ़ना-लिखना कम जानती हैं। अब वे बिना झिझक अपने पैसों का लेन-देन और प्रबंधन कर पा रही हैं।

### ‘युवा एआई फॉर ऑल’

युवाओं के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि नए भविष्य का दरवाज़ा है। सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर देशभर में एआई से जुड़े कौशल सिखा रहे हैं, चाहे वह बुनियादी डिजिटल जानकारी हो या उन्नत मशीन लर्निंग। इसी कड़ी में शुरू किया गया ‘युवा एआई फॉर ऑल’ अभियान लाखों छात्रों को एआई की बुनियादी समझ दे रहा है। स्कूलों, कॉलेजों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के ज़रिये यह कोशिश की जा रही है कि एआई का ज्ञान किसी एक वर्ग तक सीमित न रहे।

आज एआई की भूमिका केवल रोज़गार तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह जन-कल्याण से भी जुड़ गई है। कई स्टार्ट-अप्स रिहायशी इलाकों और दफ्तरों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए एआई आधारित निगरानी और विश्लेषण सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, आपातकालीन सेवाओं में एआई आधारित शिकायत निवारण सिस्टम से प्रतिक्रिया का समय कम हुआ है और सेवाएं ज़्यादा प्रभावी बनी हैं।

खेती के क्षेत्र में भी एआई बड़ा बदलाव ला रहा है। मौसम, कीट और फसल से जुड़े जोखिमों का अनुमान लगाकर एआई किसानों, खासकर महिला किसानों को बेहतर फैसले लेने में मदद कर रहा है। फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी के ज़रिये एआई आधारित क्रेडिट स्कोरिंग से उन महिला-नेतृत्व वाले कारोबारों को भी कर्ज़ मिल पा रहा है, जो पहले बैंकिंग व्यवस्था से बाहर थे।

नीति आयोग की रिपोर्ट भी बताती है कि एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ाकर करोड़ों असंगठित कामगारों को सशक्त बना सकता है। ये वही लोग हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

जैसे-जैसे एआई का इस्तेमाल बढ़ रहा है, उसका नैतिक और निष्पक्ष उपयोग सुनिश्चित करना भी ज़रूरी हो गया है। भारत का दृष्टिकोण सभी के लिए एआई पर आधारित है, जिसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और समान अवसर पर ज़ोर दिया गया है। डिजिटल श्रमसेतु जैसी पहलें असंगठित क्षेत्र में तकनीक को पहुंचाने का काम कर रही हैं। भारत की पहली डिजिटल क्रांति ने लोगों को जोड़ा, अब अगली एआई क्रांति का लक्ष्य उन्हें नए अवसर देना होना चाहिए। ऐसा भविष्य, जहाँ गांव की महिला उद्यमी, दूर-दराज़ का युवा और शहर का स्टार्टअप संस्थापक- सभी एआई के लाभ में बराबर के भागीदार हों। भारत में एआई की सफलता इस बात से नहीं मापी जाएगी कि उसके एल्गोरिदम कितने जटिल हैं, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि वह कितने लोगों को आगे बढ़ने का मौका देता है। महिलाएं, युवा और कामगार अब केवल लाभ लेने वाले नहीं हैं, बल्कि एक न्यायपूर्ण और समावेशी एआई अर्थव्यवस्था के निर्माता बन रहे हैं। यही भारत की असली ताकत है।

**( लेखिका इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के इंडिया एआई मिशन की सीओओ हैं। )**

# न अस्पताल मंदिर रहे, न डॉक्टर भगवान

क्षमा शर्मा

भारत में अस्पतालों और डॉक्टरों की मुनाफाखोरी पर एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कई ऑपरेशन और इलाज अनावश्यक होते हैं, जिससे मरीजों को बेवजह परेशानियों और खर्चों का सामना करना पड़ता है। भारत में अस्पतालों और डॉक्टरों की मुनावफाखोरी पर एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कई ऑपरेशन और इलाज अनावश्यक होते हैं, जिससे मरीजों को बेवजह परेशानियों और खर्चों का सामना करना पड़ता है।

पिछले दिनों एक बड़े चैनल की साइट पर भारत की संसदीय कमेटी की रिपोर्ट के बारे में पढ़ा। इसमें शोध करके बताया गया था कि भारत में चवालीस प्रतिशत ऑपरेशन अनावश्यक होते हैं। इसके अनुसार कैंसर के सैंतालीस प्रतिशत, पचपन प्रतिशत दिल, अड़तालीस प्रतिशत गर्भाशय, अड़तालीस प्रतिशत घुटना प्रत्यारोपण, पैंतालीस प्रतिशत सिजेरियन, कंधे का प्रत्यारोपण और रीढ़ की हड्डी के आपरेशन बिना किसी जरूरत के किए जाते हैं।

अफसोस की बात यह है कि जो मीडिया बहुत मामूली बातों पर इतना हाहाकार मचाता है, नफरत के बीज भी बोता है, किसी एक दुर्घटना पर आंसू बहाता है, वहां इस रिपोर्ट की कोई चर्चा नहीं देखी गई। जबकि यह इस देश की समूची जनसंख्या के हितों से जुड़ी थी। आखिर हारी-बीमारी तो हर मनुष्य के जीवन में आती है। पहले कहा जाता था कि अगर आपका अपना डाक्टर किसी रोग को ठीक नहीं कर पाता, तो अस्पताल चलो। वहां रोग का सही निदान किया जा सकता है। लेकिन उन अस्पतालों को क्या कहा जाए, जो मरीज की बेबसी का फायदा उठाते हैं। बहुत से डाक्टर यदि अस्पतालों की इस मुनाफाखोरी में शामिल नहीं होते, तो उन्हें हटा दिया जाता है। गाजियाबाद में डाक्टर ने एक मरीज से कह दिया कि उसे कोई गम्भीर बीमारी नहीं है। जब से अस्पतालों में मार्केटिंग का प्रवेश हुआ है, तो डाक्टरों को दिए गए टारगेट्स को पूरा करना पड़ता है। इसमें अधिक से अधिक मरीजों को लाना, जिन टेस्ट्स की जरूरत नहीं, उन्हें लिखना, मरीज की मृत्यु के बाद भी इलाज के नाम पर उसे भर्ती किए रहना, आदि बातें शामिल हैं। बीमा कम्पनियां इस बात की शिकायत भी कर चुकी हैं कि जब तक मेडिक्लेम का पूरा पैसा अस्पताल नहीं वसूल लेते, वे मरीज को लटकाए रखते हैं।

ये किसी मीडिया में न आकर फेसबुक पर देखी गई थीं। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि एक लड़की बुखार के कारण अपने पति को अस्पताल ले गई । डाक्टर रात भर उसके टेस्ट्स करवाते रहे और अगले दिन दस लाख रुपए का बिल थमा दिया गया। इसी तरह गुड़गांव के एक बहुत मशहूर अस्पताल के बारे में एक व्यक्ति ने लिखा कि वह दिल के इलाज के लिए दाखिल हुआ। पैसे जमा करवा दें। लेकिन तभी उसे बुखार आ गया।

बुखार में ऑपरेशन नहीं किया जा सकता। चूंकि कमरे का किराया बहुत ज्यादा था, तो मरीज एक होटल में चला गया। मरीज ने उसे बताया कि पहले वह जहां इलाज करा रहा था, वहां तो बताया था कि उसका एक ही वॉल्व खराब है, जबकि यहां दो वाल्व बदलने पड़ेंगे। मित्र उसे एक दूसरे अस्पताल में ले गया। जब मरीज ने आकर इस मशहूर अस्पताल के डाक्टर को बताया तो उसने सिर पर हाथ मारते हुए मालिक जो खुद भी बहुत मशहूर डॉक्टर हैं, उनके बारे में कहा कि मैंने उससे मना किया था, मगर वह नहीं माना।

ऐसा ही एक किस्सा लखनऊ के एक अस्पताल बारे में बताया गया। यहां एक मरीज गैस की समस्या के कारण भर्ती हुआ। आठ लाख रुपए जमा कराए। मरीज वहां से जाने लगा, तो उसके साथ अभद्रता भी की गई। खैर, वहां से वह एक दूसरी जगह पहुंचा और दो सौ रुपये की दवा में ठीक हो गया। यहां तक कि बहुत से डाक्टर वे दवाएं लिखते हैं, जो बहुत महंगी होती हैं। वे या तो उसी अस्पताल में मिलती हैं या किन्हीं खास दुकानों पर। मरीज को इसमें भी लूट का सामना करना पड़ता है।

### बर्फबारी-बारिश न होने से फसलों व पेयजल का संकट’

बहुत सी इंश्योरेंस कम्पनियां भी भारी घोटाले की दोषी पाई गईं। अपने यहां अड़सठ प्रतिशत लोगों के पास बीमा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर कम्पनियां कोई न कोई बहाना करके पैसे देने से इनकार कर देती हैं। कई बार अस्पतालों की मिलीभगत से अंगों को निकालने और लगाने के रैकेट्स भी पकड़े गए हैं। यही नहीं, मुम्बई के एक बहुत बड़े अस्पताल के बाहर डाक्टरों के लिए रेट लिस्ट लगी हुई है कि जो डॉक्टर जितने अधिक मरीज लाएगा, उसे कितना कमीशन दिया जाएगा। टेस्ट्स और दवाओं पर भी भारी-भरकम कमीशन मिलता है।

जिस अस्पताल को मरीज मंदिर और डाक्टर को भगवान मानकर जाता है, वहां उसके साथ किसी कसाई की तरह बर्ताव होता है, लेकिन हमारे नीति नियंताओं को फर्क नहीं पड़ता। ऐसे अस्पतालों और डाक्टरों का लाइसेंस क्यों निरस्त नहीं किया जाता। डाक्टरों से जुड़ी संस्थाएं क्यों इस तरफ ध्यान नहीं देतीं। बल्कि जो भी आल्टरनेटिव थेरैपीज हैं, जैसे कि आर्युर्वेद, होमियोपैथी, जान-बूझकर उनके खिलाफ अभियान चलाया जाता है।

अस्पताल बिना राजनीतिक, पुलिस, प्रशासन के सपोर्ट के चल नहीं सकते। ये लोग आंख मूंद लें, तो फिर मरीज की सुने भी कौन। जनता की सेवा के दिखावे के नाम पर कैसे उसे ठगा जा रहा है, लेकिन किसी को इसकी परवाह नहीं। यदि आप साधन सम्पन्न हैं तो किसी की जिंदगी से खेलने, इलाज के नाम पर लूटने का लाइसेंस भी प्राप्त है। आखिर कब तक। ये तो कुछ किस्से हैं , जो सामने आ गए। इस इतने बड़े देश में ऐसी अनगिनत घटनाएं होंगी, जो कभी सामने नहीं आएंगी।

**लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।**

# बर्फबारी-बारिश न होने से फसलों व पेयजल का संकट

पंकज चतुर्वेदी

कश्मीर का ‘चिल्लई कलां’ इस बार वीरान है। दिसंबर और जनवरी के मध्य तक कश्मीर घाटी में बर्फबारी में 75 से 80 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है।

पिछले दो माह से अधिक समय से कश्मीर, उत्तराखंड, दिल्ली और अन्य मैदानी इलाकों में एक बार भी बारिश नहीं हुई है। सूखा और ठंडी हवा ने जनजीवन, कृषि और पर्यावरण पर गहरा प्रभाव डाला है, जिसका असर भविष्य में और भी अधिक देखने को मिल सकता है। चिंताजनक बात यह है कि गर्मी के दिन आ रहे हैं और तापमान बढ़ने के साथ-साथ, भारत सहित कई देशों की जीवन रेखा माने जाने वाले हिमालय के पहाड़ बर्फ़ के बिना भूरे नजर आ रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में इस साल ‘स्नो ड्राउट’ की स्थिति बन गई है। 2025-26 की सर्दियों में इन क्षेत्रों में बर्फबारी सामान्य से 45 से 75 प्रतिशत तक कम रही, खासकर नवंबर-दिसंबर के दौरान। उत्तराखंड में दिसंबर, 2025 में 100 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज की गई और जनवरी, 2026 तक ऊंचे इलाकों में बर्फ नहीं जमी। बढ़ते तापमान, कमजोर पश्चिमी विक्षोभ और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण बर्फ तेजी से पिघल रही है। पिछले पांच वर्षों में बर्फबारी में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है।

कश्मीर का ‘चिल्लई कलां’ इस बार वीरान है। दिसंबर और जनवरी के मध्य तक कश्मीर घाटी में बर्फबारी में 75 से 80 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटन स्थलों में केवल सूखी घास और नग्न पहाड़ दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति केवल पर्यटन को आर्थिक चोट नहीं पहुंचा रही, बल्कि ग्लेशियरों के पुनर्भरण की प्रक्रिया को भी बाधित कर रही है। यदि बर्फबारी का यह अकाल जारी रहा, तो गर्मियों में झेलम और सिंधु जैसी नदियों का जलस्तर रिकॉर्ड स्तर तक गिर सकता है, जिससे न केवल पीने के पानी का संकट पैदा होगा बल्कि जलविद्युत परियोजनाओं पर भी ताला लग सकता है।

उत्तराखंड में राज्य के अधिकांश जिलों में सूखे की स्थिति है। हिमाचल प्रदेश में भी सामान्य से 97 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई। बारिश न होना रबी की फसलों खासकर गेहूं के लिए बुरा है। असल में सर्दियों की बारिश केवल पानी की जरूरत पूरी नहीं करती, बल्कि खेतों के लिए खाद का काम करती है, जिससे पौधों को नाइट्रोजन, फास्फोरस और दूसरे पोषक तत्व कुदरती रूप से मिलते हैं।

उधर अक्तूबर-नवंबर के गर्म रहने से आलू का अंकुरण कम हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ने की मिठास नवंबर की गर्मी ने सोख ली। गन्ने में सुक्रोज बनने के लिए ठंड आवश्यक है लेकिन अभी तक गन्ने में पानी की मात्रा अधिक है। इसलिए गुड़ बन ही नहीं पा रहा था। एक महीने देरी से गुड़ बनना शुरू हुआ है। रबी की फसल बिगड़ने का असर सारे देश की अर्थव्यवस्था और भोजन व्यवस्था पर पड़ना तय है। ऊंचे पहाड़ों पर खेतों में बर्फ का आवरण आमतौर पर एक इन्सुलेशन कंबल के रूप में कार्य करता है। बर्फ की परत से उनकी फसलों की रक्षा होती है, कंद-मूल जैसे उत्पादों की वृद्धि होती है, पाले का प्रकोप नहीं हो पाता। साथ ही बर्फ से मिट्टी का कटाव भी रुकता है। पूरे हिमालय क्षेत्र में कम बर्फ बारी और अनियमित बारिश से क्षेत्र में पानी और कृषि वानिकी सहित प्रतिकूल पारिस्थितिक प्रभाव पड़ने की संभावना है।

अगर तापमान जल्दी ही बढ़ जाता है तो देर से होने वाली बर्फबारी और भी अधिक त्रासदीदायक होगी। इससे हिमनद झील के फटने से होने वाली बाढ़ अचानक आ सकती है। गर्मी से यदि ग्लेशियर अधिक पिघले तो आने वाले दिनों में पहाड़ी राज्यों में स्थापित सैकड़ों मेगावाट की जल विद्युत परियोजनाओं पर भी संकट आ सकता है। यह भी कड़वा सच है कि पहाड़ों के मिजाज को बिगाड़ने में इन जल विद्युत परियोजनाओं की भूमिका भी है। पहाड़ों पर बर्फ का असर पंजाब की नदियों पर गहराई से होता है।

### विवाह के मौसम में उत्साहित बाराती और तुषारापात’

उत्तराखंड के पौड़ी जिले में भले ही तीव्र ठंड हो, लेकिन बीते चार महीनों से बर्फबारी और बारिश न होने के कारण यहां के पर्यावरण पर अलग किस्म का खतरा मंडरा रहा है। लगातार सूखे से जमीन की नमी समाप्त हो गई है। यदि हालात नहीं सुधरे तो यहां जंगलों में आग का खतरा बढ़ जाएगा। बारिश और बर्फबारी की कमी का असर केवल कृषि तक सीमित नहीं है। यह पूरे पर्यावरण को प्रभावित कर रहा है। हिमालयी ग्लेशियरों को पर्याप्त बर्फबारी नहीं मिलने से वे तेजी से पिघल रहे हैं।

इससे नदियों और जल स्रोतों का जलस्तर घट रहा है, जिससे पेयजल और सिंचाई के लिए संकट खड़ा हो रहा है। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले पहाड़ों पर बरसात और बर्फ न गिरने से जमीन का सूखना वहां के वन्य जीवों के लिए बड़ा खतरा है। हरियाली पर जीने वाले जानवर बस्ती की तरफ आ रहे हैं। हिमालय के पहाड़ देश के लिए महज मनोरंजन या पर्यटन के लिए नहीं हैं, ये देश की जल-प्रदाय स्रोत हैं। जल किसी कारखाने में बनाया नहीं जा सकता। आज जरूरत है कि हिमालय राज्यों के लिए जलवायु अपरिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि से निपटने को स्थानीय स्तर पर त्वरित और दूरगामी कार्य योजना बनाई जाए, जिसमें स्थानीय लोगों की सहभागिता और पारंपरिक ज्ञान को भी स्थान मिले।

# भारत के राष्ट्रीय हित में नहीं

अभी भारत के श्रीलंका में हस्तक्षेप करने की जरूरत सिर्फ स्टालिन को महसूस हो सकती है, जिनकी चुनावी रणनीति में तमिल भावनाओं का उभारना महत्त्वपूर्ण पहलू हो सकता है। मगर ऐसा करना भारत के राष्ट्रीय हित में नहीं होगा। राष्ट्रीय

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से श्रीलंका में नया संविधान तैयार करने की प्रक्रिया में दखल देने की अतार्किक मांग की है। कहा जा सकता है कि इस संबंध में प्रधानमंत्री को लिखा गया उनका पत्र राजनीतिक मकसद से प्रेरित है। पहली बात तो यह कि श्रीलंका के नए संविधान का प्रारूप अभी जारी नहीं हुआ है। बल्कि 2026 के बजट में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है- यानी इस वर्ष संविधान निर्माण प्रक्रिया के आगे बढ़ने की संभावना नहीं है। अब तक जितनी जानकारियां उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक श्रीलंका सरकार का इरादा उसी तरह का संविधान बनाना है, जिसका वादा उसने 2024 के चुनाव में किया था।

सत्ताधारी नेशनल पीपुल्स पॉवर पार्टी का वादा संसदीय शासन प्रणाली की वापसी, दो सदनों वाली संसद की स्थापना, सभी नागरिकों के बीच समानता एवं सत्ता के सार्थक बंटवारे को सुनिश्चित करने, सत्ता के विकेंद्रीकरण आदि के प्रावधान नए संविधान में शामिल करने का है। फिर गौरतलब है कि 2024 में दशकों बाद श्रीलंका में ऐसा चुनाव हुआ, जिसमें तमिल और सिंहली बहुल इलाकों से एक जैसा जनादेश आया। उससे वहां सिंहली- तमिल विभाजन पटने की संभावना बनी है। इसलिए अभी भारत के वहां हस्तक्षेप करने की जरूरत सिर्फ स्टालिन को महसूस हो सकती है, जिनकी अगले विधानसभा चुनाव की रणनीति में तमिल भावनाओं का उभारना महत्त्वपूर्ण पहलू हो सकता है।

मगर ऐसा करना भारत के राष्ट्रीय हित में नहीं होगा। यह याद रखना चाहिए कि नेपाल में संविधान निर्माण के समय मधेसी अधिकारों के लिए भारत की तरफ से बनाए गए दबाव पर वहां विपरीत प्रतिक्रिया हुई थी। उस कारण दोनों देशों के संबंध में दीर्घकालिक दरार पड़ गई। फिलहाल श्रीलंका के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करना- और वह भी जब अभी यह जाहिर नहीं है कि तमिलों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है- खुद को नुकसान पहुंचाने वाला कदम होगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने भारत और चीन से अपने संबंधों के बीच संतुलन बनाते हुए भारत की चिंताओं पर उचित ध्यान दिया है। इस घटनाक्रम के बीच कड़वाहट पैदा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

# श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110



## प्रमुख खबरें

### लैंगिक उत्पीड़न रोकने प्रशिक्षण सह कार्यशाला

**दुर्ग।** महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम-2013 एवं शी-बॉक्स पोर्टल के संबंध में प्रशिक्षण सह कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 19 जनवरी 2026 को शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग एवं छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय में किया गया। प्रत्येक कार्यालय में आंतरिक शिकायत समिति एवं जिला स्तर पर स्थानीय शिकायत समिति के गठन की अनिवार्यता की जानकारी दी गई। लैंगिक उत्पीड़न की स्थिति में वह संबंधित कार्यालय की आंतरिक शिकायत समिति के समक्ष या शी-बॉक्स पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकती है।

### 36 रत्नों को स्व. ताराचंद साहू स्मृति सम्मान

**दुर्ग।** दुर्ग संभाग स्तरीय साहू सम्मेलन एवं स्वर्गीय ताराचंद साहू स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन रविशंकर स्टेडियम मानस भवन में किया गया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री साव ने समाज सेवा, शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विभिन्न समाजों के 36 रत्नों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि स्वर्गीय ताराचंद साहू एक कुशल संगठनकर्ता और जननेता थे, जो सभी समाजों को साथ लेकर चलने वाले नेता के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने अपने आचरण और व्यक्तित्व से समाज और राजनीति में अलग पहचान बनाई।

### महिला आयोग ने दुर्ग में की 35 मामलों की सुनवाई

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में प्रेरणा सभा कक्ष, बालगृह परिसर (पांच बिल्डिंग), महिला एवं बाल विकास कार्यालय दुर्ग में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर जनसुनवाई आयोजित की गई। इस अवसर पर आयोग की सदस्य ओजस्वी मंडावी एवं सह-प्रभारी लक्ष्मी वर्मा उपस्थित रहीं। यह आयोग की 358वीं तथा दुर्ग जिले की 13वीं जनसुनवाई थी, जिसमें कुल 35 प्रकरणों पर सुनवाई की गई।

### कलश यात्रा, वेदी पूजन के साथ शुरू की गई भागवत कथा

**उपरवाह।** ग्राम हरडुवा में श्रीमद् भागवत कथा का कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। पारम्परिक वेशभूषा में कलश यात्रा प्रारंभ की। व्यासपीठ पर आचार्य रामप्रताप शास्त्री महाराज ने बताया कि प्रेत, पीड़ा का नाश करने वाली श्रीमद् भागवत की कथा धन्य है। श्रीकृष्णचन्द्र के धाम को प्राप्ति कराने वाला इसका सप्ताह-पारायण भी धन्य है। जिस प्रकार आग गीली-सूखी, छोटी-बड़ी-सब तरह की लकड़ियों को जला डालती है, उसी प्रकार भागवत मन, वचन और कर्म द्वारा किए हुए नए-पुराने, छोटे-बड़े सभी प्रकार के पापों को भस्म कर देती है।

## कैट महिला विंग ने किया त्वचा और बालों की ऑर्गेनिक देखभाल हेतु कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग के प्रदेश अध्यक्ष मधु अरोरा, महिला प्रदेश महामंत्री पिंकी अग्रवाल एवं महिला प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रेरणा भट्ट ने बताया कि कैट महिला विंग द्वारा त्वचा और बालों की ऑर्गेनिक देखभाल हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्किनोवेशन की संस्थापक विनीता एस. शुक्ला थी।

मधु अरोरा ने बताया कि विनीता एस. शुक्ला एक अनुभवी स्किन और हेयर केयर विशेषज्ञ हैं, जिन्हें 25 वर्षों से अधिक का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त है। वे स्किनोवेशन की संस्थापक हैं, जो परिणाम-आधारित, नैतिक और व्यक्तिगत त्वचा उपचारों के लिए जानी जाती है। स्किनोवेशन में ऑर्गेनिक और

प्रभावी ब्यूटी ट्रीटमेंट्स, एडवांस्ड एस्थेटिक सेवाएं और त्वचा व बालों के लिए कस्टम-मेड थेरेपी प्रोडक्ट्स प्रदान करता है। यहाँ हर उपचार व्यक्ति की त्वचा की स्थिति और आवश्यकता के अनुसार योजनाबद्ध किया जाता है।

स्किनोवेशन की संस्थापक विनीता एस. शुक्ला ने कहा कि हमारे संस्थान में पिंपल्स एवं एक्ने ट्रीटमेंट, पिग्मेंटेशन एवं स्किन टोन सुधार, डैंड्रफ एवं स्कैल्प समस्याएं, एजिंग एवं स्किन रीजुवनेशन, हेयर फॉल एवं हेयर रिस्टोरेशन आदि।

स्किनोवेशन के ट्रीटमेंट क्लिनिक रायपुर और दुर्ग में स्थित हैं, जो अपनी प्रोफेशनल सर्विस, व्यक्तिगत देखभाल और लगातार उत्कृष्ट परिणामों के लिए प्रसिद्ध हैं। पिंपल एवं पिग्मेंटेशन विशेषज्ञ, त्वचा एवं बाल देखभाल में 25 वर्षों का अनुभव है। उपरोक्त कार्यक्रम में कैट महिला विंग के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

## नेहरू आर्ट गैलरी में सुरक्षा विषय पर ड्राइंग व पेंटिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन

**भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के तहत आयोजित हुई थी प्रतियोगिता**

हर्षित अग्रवाल

**भिलाई।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सुरक्षा जागरूकता माह-2026 के अंतर्गत दिनांक 19 जनवरी, 2026 को नेहरू आर्ट गैलरी, सिविक सेंटर, भिलाई में सुरक्षा विषय पर आधारित ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुरक्षा विषय पर आधारित ड्राइंग एवं पोस्टर प्रदर्शनी के औपचारिक उद्घाटन के साथ हुआ। प्रदर्शित कलाकृतियों द्वारा कलाकारों ने यह सशक्त संदेश दिया कि सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित नहीं, बल्कि घर से कार्यस्थल तक अपनाई जाने वाली जीवनशैली है। इसके पश्चात दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत आरंभ किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) डी सतपथी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि सुरक्षा मूल्यों का विकास कम आयु से ही किया जाना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों, दिव्यांग प्रतिभागियों एवं अभिभावकों की व्यापक

सहभागिता की सराहना करते हुए इसे सुरक्षा जागरूकता को समाज के प्रत्येक स्तर तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि सुरक्षा जागरूकता की वास्तविक शुरुआत बचपन से और घर से होती है, क्योंकि प्रारंभिक अवस्था में विकसित आदतें आगे चलकर कार्यस्थल एवं समाज में सुरक्षित व्यवहार सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों एवं पुरस्कार विजेताओं को उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए बधाई दी। साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 11 जनवरी, 2026 को आयोजित बाल सुरक्षा ड्राइंग प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में बच्चों, दिव्यांग प्रतिभागियों एवं अभिभावकों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में प्राप्त चित्रों का विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन किया गया, जिसके आधार पर विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कारों का निर्धारण किया गया। इस अवसर पर प्रदर्शनी समारोह में पुरस्कारों का वितरण किया गया तथा निर्णायक मंडल के सदस्यों को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

यह प्रतियोगिता नर्सरी से कक्षा 12वीं तक कुल सात श्रेणियों में आयोजित की गई थी, जिसमें दिव्यांग श्रेणी एवं अभिभावक श्रेणी भी सम्मिलित थीं। प्रतियोगिता के विषयों में सामान्य सुरक्षा, अग्नि एवं घरेलू सुरक्षा, सड़क एवं रेल सुरक्षा तथा पर्यावरण एवं औद्योगिक सुरक्षा शामिल रहे। प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता में बच्चों, दिव्यांग प्रतिभागियों एवं अभिभावकों सहित कुल 1142 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जो भिलाई इस्पात संयंत्र परिवार की सुदृढ़ एवं जीवंत सुरक्षा संस्कृति को परिलक्षित करता है। यह प्रदर्शनी 19 जनवरी से 23 जनवरी 2026 तक आम नागरिकों के अवलोकन हेतु खुली रहेगी।

## बकाया नहीं जमा कराना पड़ा भारी निगम ने किया 12 दुकानों को सील

**बढ़ता ही जा रहा था बकाया, नहीं दे रहे थे ध्यान**

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम दुर्ग ने गंज पारा स्टेट बैंक के पीछे आबंटित दुकानदारों द्वारा नियमित किराया जमा नही किया जा रहा है, निगम के बाजार विभाग अमला द्वारा 12 दुकानों को सील कर दिया है। यह कार्रवाई आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर निगम

प्रभारी बाजार अधिकारी अभ्यूदय मिश्रा, सहायक शशिकांत यादव, सहायक ईश्वर वर्मा के नेतृत्व में की गई। इस दौरान बाजार विभाग एवं राजस्व विभाग टीम भी मौजूद रही।

बकाया किराया जमा न होने पर हुई कार्रवाई नगर निगम के अनुसार,गंजपारा स्टेट बैंक के पीछे आबंटित 12 दुकानों को लीज पर आवंटित किया गया था और प्रत्येक दुकान पर प्रतिमाह निर्धारित किराया जमा करने का प्रावधान था।

बाद में किराए में वृद्धि की सूचना भेजकर दुकानदारों को नोटिस जारी किया गया, लेकिन अधिकांश दुकानदार समय पर भुगतान नहीं कर सके। नोटिस अवधि पूरी होने के बाद दुकानों का आवंटन निरस्त कर दुकानों को सील किया गया।

जिनकी दुकानें सील की गई हैं उनमें मोहम्मद हसन खान, पूजा सेन, शारदा शर्मा, मोहम्मद जाकिर, नेहा केसरवानी, प्रहलाद लालवानी, अय्युब गहलोत शीतल जांगीड़, मुनव्वर अली जाकीर हुसैन, नागेश्वर सोनकर, गिरधारी देवांगन आदि शामिल हैं।

## यूपी-बिहार रेल यात्री सेवा संघ की बैठक में तय की आगे की रणनीति

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ यूपी बिहार रेल यात्री सेवा संघ की बैठक सलीम एडवोकेट चैंबर के पास हुई जिसमें रेल यात्री सेवा संघ के सदस्यों और सिवान, गोपालगंज, देवरिया, गोरखपुर और मऊ के लोगों की विशिष्ट भागीदारी रही। इस बैठक को चाय पर चर्चा के नाम से सम्बोधित किया गया। सभी लोगों ने चाट व स्वल्पाहार का आनंद लिया और इस बैठक की शुरुआत की।

इस दौरान जानकारी दी गई कि संघ की ओर से अभी तक सिवान, सलेमपुर और देवरिया में सांसद-विधायक, अन्य जनप्रतिनिधियों और रेलवे के आला अफसरों को ज्ञापन सौपा जा चुका और यह मुहिम लगातार आगे बढ़ रही है। सांसद सिवान व विधायक रघुनाथपुर को सौंपे गए ज्ञापन और चर्चा का ब्यौरा बैठक में दिया गया। इस दौरान सदस्यों ने प्रमुख रूप से सिवान के लिए सीधी ट्रेन की मांग रखते हुए कहा कि गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस या सारनाथ एक्सप्रेस को सप्ताह में 3 दिन मऊ भटनी सीवान के रास्ते पर चलाया जाना चाहिए जिससे आसपास जिलों के रहने वाले मुसाफिरों को यात्रा करने में आसानी होगी।

दूसरी मांग प्रमुख रूप से रखी गई नौतनवा एक्सप्रेस को जो सप्ताह में दो दिन चलती है उसे सप्ताह में प्रतिदिन समय परिवर्तन करके सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे के बीच दुर्ग से चलाया जाए। जिससे बनारस से आगे यात्रा करने वाले यात्रियों को रात भर स्टेशन पर न बैठना पड़े और यात्री सुगमता से अपने-अपने गृह ग्राम में पहुंच जाएं। रेल मंत्रालय तक इन सभी मांगों को पहुंचाने के लिए दुर्ग, बिलासपुर और रायपुर के सभी राजनीतिक हस्तियों, जनप्रतिनिधियों, मंत्रियों, सांसदों और विधायकों से निवेदन किया गया है।

## 182 श्रद्धालु अयोध्या धाम तीर्थ दर्शन के लिए हुए रवाना

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी अयोध्या धाम, श्री राम लला तीर्थ दर्शन अंतर्गत योजना के तहत दुर्ग जिले के 182 श्रद्धालु पवित्र तीर्थ स्थल श्री रामलला अयोध्या के दर्शन के लिए रवाना हुए। दुर्ग रेलवे स्टेशन से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन द्वारा इन श्रद्धालुओं को धार्मिक यात्रा पर भेजा गया।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर, महापौर अलका बाघमार ने आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शशि साहू की मौजूदगी में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया। श्रद्धालुओं ने हर्षोल्लास के साथ जयकारे लगाते हुए यात्रा आरंभ की।

विधायक ललित चंद्राकर,,महापौर अलका बाघमार ने इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीराम लला अयोध्या धाम तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य केवल धार्मिक यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका मकसद नागरिकों को अपनी संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर शुरू की गई यह योजना राज्य के उन वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं के लिए आस्था और आत्मसंतोष का अवसर लेकर आई है, जो आर्थिक स्थिति या अन्य कारणों से तीर्थ यात्रा नहीं कर पाते थे। यह योजना सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक एकता को मजबूत करने वाली योजना है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह यात्रा सभी के जीवन में शांति, ऊर्जा और सकारात्मकता लेकर आएगी।

यात्रा से पहले सभी यात्रियों को भोजन, पेयजल, चिकित्सकीय सुविधा एवं आवश्यक व्यवस्थाएँ उपलब्ध कराई गईं। प्रशासन द्वारा पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षा और सुविधा की विशेष व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कि नगर निगम और जिला प्रशासन का प्रयास रहेगा कि भविष्य में भी अधिक से अधिक पात्र नागरिक इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों को यात्रा की सफल व्यवस्था के लिए बधाई दी।

**संभायुक्त ने ली संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक**

## मादक पदार्थ रोकथाम के लिए शिक्षण संस्थानों पर फोकस

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक में उच्च शिक्षा विभाग से मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान एवं विभागीय अधिकारियों से ई-ऑफिस संचालन के संबंध में जानकारी ली।

संभागायुक्त राठौर ने उच्च शिक्षा विभाग को प्रदेश में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल एवं कॉलेजों में नशा विरोधी कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। साथ ही निबंध, भाषण, पोस्टर, चित्रकला, नाटक एवं क्विज प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों

के प्रति जागरूक किया जाए। संभागायुक्त ने निर्देश देते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के भीतर तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। स्कूल और कॉलेजों के बाहर ठेलों पर तंबाकू, सिगरेट, गुटखा जैसे नशीले पदार्थों की बिक्री बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

उन्होंने कोटपा एक्ट के तहत सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा।वार्षिक परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए संभागायुक्त राठौर ने त्रुटिरहित प्रश्नपत्र तैयार करने के निर्देश दिए और प्रश्न निर्माण के दौरान समुचित जांच-पड़ताल पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने अभियान चलाकर अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं के आय, जाति, निवास एवं जन्म प्रमाण पत्र बनाया जाना सुनिश्चित करने कहा।

शैक्षणिक संस्थानों के आसपास स्वच्छता को सुदृढ़ रखने के लिए एनएसएस, एनसीसी एवं स्काउट-गाइड के सहयोग पर जोर दिया। संभागायुक्त राठौर ने सभी स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों एवं शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण बढ़ने से आमजन को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्यवाही करें।

## कार्यकर्ताओं को ऊर्जावान बनाएगा भाजपाध्यक्ष नबीन का नेतृत्व - कौशिक

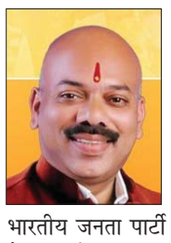

**दुर्ग।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नितिन नबीन के सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने यशस्वी कार्यकाल की कामना कर बधाई दी है। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने रैली के रूप में जिला भाजपा कार्यालय से निकलकर पटेल चौक में पहुंचकर फोडकर फोड़ कर एक दूसरे का मुंह मीठा करा कर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की इस अवसर पर मुख्य रूप से कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, महापौर अलका बाघमार, जिला महामंत्री दिलीप साहू विनोद अरोरा, सभापति श्याम शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि मजबूत संगठन, स्पष्ट नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के संकल्प के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष की निर्वाचन प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ की सहभागिता केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संगठनात्मक एकता, अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारतीय जनता पार्टी की अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। एक युवा नेता होने के नाते नबीन का नेतृत्व कार्यकर्ताओं को ऊर्जावान बनाएगा।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

## खास खबर

### प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच, 1028 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना।कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज अर्बन टीम डी द्वारा अछोली आंगनबाड़ी केंद्र 4 एवं 5 में 102 बच्चों की स्क्रीनिंग, धरसीवां टीम बी द्वारा गिधौरी में 131 बच्चों की स्क्रीनिंग, तिल्दा टीम बी द्वारा नेवर एवं साकरा में 233 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम बी द्वारा शासकीय स्कूल चांगोराभाटा में 116 बच्चों की स्क्रीनिंग, आरंग टीम बी द्वारा 139 बच्चों की स्क्रीनिंग, अभनपुर टीम बी द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला एवं आंगनबाड़ी क्रमांक 1 एवं 2 आमनेर में 155 बच्चों की स्क्रीनिंग, आरंग टीम बी द्वारा रानीसागर एवं खमतराई में 152 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम ए द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र घासपारा, वाल्मीकि नगर, जागृति नगर रायपुर में 166 बच्चों की स्क्रीनिंग, पूरे जिले में आज कुल 1028 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

### राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 150 शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

**कोरबा।** कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के नेतृत्व में 19 एवं 20 जनवरी 2026 को जिले में तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा विभाग के शिक्षकों हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिले के 150 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला में तम्बाकू से होने वाली हानिकारक बिमारियों, कैंसर, हृदय रोग, सांस लेने की समस्या और अन्य तंबाकू सेवन से होने वाले शारीरिक और मानसिक दुस्प्रभावों के बारे में जानकारी दिया गया। कोटपा अधिनियम 2003 की धाराओं को विस्तार से बताया गया साथ ही तम्बाकू सेवन से छुटकारा पाने तथा स्कूलों को तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान बनाने निर्धारित मापदंडों को बताया गया। कार्यशाला में जिला चिकित्सालय कोरबा में स्थित तम्बाकू नशामुक्ति केन्द्र में दी जा रही निःशुल्क परामर्श एवं निःशुल्क दवाइयों के बारे में जानकारी दिया गया। इसके साथ ही स्कूलों के लिए आईसी सामग्री तथा पाम्पलेट वितरित किया गया।

### जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर बना सहारा, आयुष्मान कार्ड की समस्या का हुआ त्वरित समाधान

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान किया जा रहा है। रायपुर कलेक्टोरेट स्थित जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर नागरिकों के लिए भरोसेमंद माध्यम बनकर उभरा है।बोरियाकला निवासी ममता यादव ने बताया कि सीने में दर्द की शिकायत के चलते उन्हें मेकाहारा अस्पताल में भर्ती होना पड़ा, जहां आयुष्मान भारत योजना के तहत उनका उपचार किया गया। डिस्चार्ज होने के बाद आयुष्मान कार्ड में डिस्चार्ज की जानकारी अपडेट नहीं होने के कारण वे अन्य अस्पताल में उपचार नहीं करा पा रही थीं। इस समस्या से परेशान होकर श्रीमती यादव ने जिला जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में शिकायत दर्ज कराई। त्वरित कार्रवाई की गई और आयुष्मान कार्ड में आवश्यक अपडेट कर समस्या का समाधान किया गया।

# जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने 'क्षमता निर्माण' पर कार्यशाला

**हैदराबाद में आयोजित कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के 19 चिकित्सक हुए शामिल, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आईसीएमआर- आरएमआरसीबीबी के साथ एमओयू**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** देश के जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने जनजातीय चिकित्सकों के लिए क्षमता निर्माण पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 16 और 17 जनवरी 2026 को कान्हा शांति वनम, हैदराबाद, तेलंगाना में संपन्न हुई।

केन्द्रीय जनजाति कार्यमंत्री जुएल ओराम ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में केंद्रीय राज्य जनजातीय कार्य मंत्री दुर्गादास उइके, विशेष रूप से उपस्थित थे।

यह कार्यशाला मुख्य रूप से जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु जनजातीय उपचारकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण पर केन्द्रित था। इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, के सहयोग से राज्य के विभिन्न जनजातीय क्षेत्रों से 19 जनजातीय चिकित्सक शामिल हुए।

इस मौके पर केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के अपर सचिव मनीष ठाकूर, वैज्ञानिक-डी, आईसीएमआर (मेडिकल) की डॉ. जया सिंह क्षत्री द्वारा संयुक्त रूप से आईसीएमआर-आरएमआरसीबीबी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

**फाइलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ की ओर निर्णायक पहल**

# घर-घर खिलाई जाएंगी फाइलेरियारोधी दवाएं शत-प्रतिशत दवा सेवन पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में फाइलेरिया रोग से स्थायी मुक्ति के उद्देश्य से 10 फरवरी 2026 से सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) अभियान की शुरुआत की जा रही है। इस अभियान का मूल लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि लक्षित शत-प्रतिशत लाभार्थियों को स्वास्थ्य कर्मियों की प्रत्यक्ष निगरानी में फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कराया जाए, जिससे रोग के संक्रमण की श्रृंखला को प्रभावी रूप से तोड़ा जा सके।

एमडीए अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारी के तहत 20 जनवरी 2026 को स्वास्थ्य भवन, अटल नगर, रायपुर में दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 07 जिलों के जिला मलेरिया अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी, व्ही.बी.डी. सलाहकार एवं टेक्निकल सुपरवाइजरों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर भारत सरकार के संयुक्त निदेशक, एन.सी.व्ही. बी.डी.सी., डॉ. रिंकू शर्मा वर्चुअल माध्यम से जुड़कर प्रतिभागियों को तकनीकी एवं नीतिगत मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण कार्यशाला में संचालक, महामारी नियंत्रण डॉ. सुरेन्द्र पामभोई, क्षेत्रीय संचालक डॉ. संदीप जोगदंड, डॉ. सरीफ (सी.एम.ओ., क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार), राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जीतेन्द्र कुमार, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) से एन.पी.ओ., दिल्ली, राज्य कोऑर्डिनेटर एवं जोनल समन्वयक, राज्य सलाहकार, WJCF, PCI तथा ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटेजी सहित विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि एमडीए अभियान राज्य के 18 जिलों के 65 विकासखंडों में संचालित किया जाएगा। इनमें 15 जिलों—रायपुर (शहरी सहित), गरियाबंद, बलौदाबाजार, महासमुंद, बिलासपुर (शहरी सहित), मुंगेली, गौरेलाॅपेंड्राॅमरवाही, जांजगीर-चांपा, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सरगुजा (शहरी सहित), सूरजपुर, जशपुर, बालोद तथा रायगढ़ (शहरी सहित) में आईवरमेक्टिन, डीईसी एवं एल्बेंडाजोल (आईडीए) के माध्यम से दवा सेवन कराया जाएगा। वहीं बस्तर (जगदलपुर), राजनांदगांव एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों में डीईसी एवं एल्बेंडाजोल (डीए) का उपयोग किया जाएगा।

इस अभियान के अंतर्गत राज्य की लगभग 1 करोड़ 58 लाख से अधिक जनसंख्या को बूथों के माध्यम से तथा घर-घर जाकर दवाओं का सेवन कराया जाएगा। प्रशिक्षण सत्रों में माइक्रोप्लानिंग, दवा एवं लॉजिस्टिक प्रबंधन, रिपोर्टिंग व्यवस्था, वित्तीय प्रबंधन, सामाजिक जागरूकता, मीडिया समन्वय और अंतरविभागीय सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि एमडीए केवल दवा वितरण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि सुनिश्चित दवा सेवन इसकी सफलता की कुंजी है। इसी दृष्टि से यह निर्णय लिया गया कि यदि कोई लाभार्थी अभियान के दौरान छूट जाता है, तो पुनः उस स्थान पर जाकर दवा सेवन कराया जाएगा।

यह स्पष्ट है कि यह अभियान छत्तीसगढ़ को फाइलेरिया मुक्त बनाने की दिशा में एक संगठित, वैज्ञानिक और जनभागीदारी आधारित प्रयास है। प्रभावी क्रियान्वयन के साथ यह पहल राज्य को एक स्वस्थ और रोगमुक्त भविष्य की ओर ले जाने में निर्णायक सिद्ध हो सकती है।

# बलौदाबाजार में मरीन ड्राइव की तर्ज पर चौपाटी का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** बलौदाबाजार नगर को एक नई शहरी पहचान देते हुए राजधानी रायपुर के मरीन ड्राइव की तर्ज पर विकसित बलौदाबाजार चौपाटी का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। चौपाटी का लोकार्पण छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब द्वारा पूजा-अर्चना एवं फीता काटकर किया गया। लोकार्पण के साथ ही चौपाटी आम नागरिकों के लिए खोल दी गई।

नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार द्वारा शहर के हृदय स्थल स्वामी विवेकानंद सरोवर के किनारे सुंदर एवं आकर्षक चौपाटी का विकास किया गया है। इसके साथ ही सरोवर का सौंदर्यीकरण एवं अन्य विकास कार्य भी पूर्ण किए गए हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ विकसित यह चौपाटी बलौदाबाजार शहर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यहां शहरवासी मनोरंजन के साथ-साथ स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने चौपाटी की सुंदरता बनाए रखने के लिए स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि बलौदाबाजार तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है और शासन विकास कार्यों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने अपने चिर-परिचित अंदाज में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गीत गाकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध किया।

तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि रायपुर की तर्ज पर एक ही स्थान पर मनोरंजन एवं विविध व्यंजनों की सुविधा उपलब्ध कराने वाली यह चौपाटी नगरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को विकसित प्रदेश बनाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। चौपाटी में एक आधुनिक फूड जोन विकसित किया गया है, जिसमें एक दर्जन से अधिक फूड स्टॉल एवं रेस्टोरेंट शामिल हैं।

**मुख्यमंत्री साय की मंशानुरूप बसंतपुर को स्वास्थ्य सुविधा की बड़ी सौगात**

# डीएमएफमद से 75 लाख रुपये की लागत से बनेगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायगढ़।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जिले के आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा उन्हें बेहतर और सुलभ मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के कुशल मार्गदर्शन में जिले के मैदानी क्षेत्रों के साथ-साथ वनांचल अंचलों में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल एवं अधोसंरचना विकास के कार्यों को प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है।

इसी क्रम में लैलूंगा विकासखंड के ग्राम बसंतपुर में भवन विहीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से 75 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से ग्राम बसंतपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सुसज्जित नवीन भवन निर्मित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार संभव हो सकेगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भवन निर्मित होने से बसंतपुर सहित आसपास के गांवों के सैकड़ों नागरिकों को समय पर उपचार, नियमित स्वास्थ्य जांच, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं एवं प्राथमिक उपचार की सुविधा अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो सकेगी। इससे मरीजों को उपचार के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में जाने की मजबूरी से राहत मिलेगी।

भवन उपलब्ध होने से चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं स्वास्थ्य कर्मियों को भी बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता में उल्लेखनीय सुधार होगा। साथ-साथ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य अमले को भी अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

जनहित को सर्वोपरि रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा लिया गया यह निर्णय ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो सकेगा।

# इलेक्ट्रिक वाहनों से स्वच्छ भविष्य की ओर सशक्त कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित छत्तीसगढ़ राज्य इलेक्ट्रिक वाहन प्रोत्साहन योजना कोरबा जिले में हरित परिवहन की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हो रही है। जिले में पेट्रोल और डीजल चालित वाहनों की संख्या लगभग चार लाख होने के कारण बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना एक बड़ी चुनौती रहा है। इस चुनौती के समाधान के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने की यह योजना अत्यंत प्रभावी और परिणामोन्मुखी साबित हो रही है।

योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहन क्रय करने पर वाहन मूल्य का 10 प्रतिशत अथवा अधिकतम एक लाख रुपये तक की सब्सिडी सीधे वाहन स्वामी के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जा रही है। जिला परिवहन कार्यालय, कोरबा द्वारा डीलर पॉइंट पंजीयन के समय वाहन स्वामी के बैंक विवरण संकलित कर ई-व्ही पोर्टल में प्रविष्टि एवं आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन उपरांत सब्सिडी राशि का पारदर्शी तरीके से अंतरण सुनिश्चित किया जाता है।

1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025 की अवधि में जिले के 1774 वाहन स्वामियों को कुल 3 करोड़ 27 लाख 3 हजार 865 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा चुकी है। नागरिकों की बढ़ती रुचि और योजना की सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026 में 2.50 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट भी स्वीकृत किया गया है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता का स्पष्ट प्रमाण पंजीयन आंकड़ों में देखने को मिलता है। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीयन में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2024 में 1244 इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हुए थे, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 1488 हो गई। दोपहिया, तिपहिया एवं यात्री वाहनों की श्रेणियों में विशेष रूप से उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो आम नागरिकों के बढ़ते विश्वास और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को दर्शाती है। योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग प्वाइंट स्थापित करने की कार्ययोजना भी तैयार की जा रही है। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग अधिक सुविधाजनक होगा, पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता घटेगी तथा वायु प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य इलेक्ट्रिक वाहन प्रोत्साहन योजना कोरबा जिले में स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन को नई दिशा दे रही है। यह योजना न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ठोस पहल है, बल्कि कोरबा को स्वच्छ, हरित और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

# मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजनाः 57 मार्गों पर बस संचालन, पहली बार जुड़े 330 गाँव

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण अंचलों में आवागमन की सुविधा सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना 2025 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह योजना उन ग्रामों तक सार्वजनिक परिवहन पहुँचाने की दिशा में एक निर्णायक पहल है, जहाँ अब तक यात्री बस सुविधा उपलब्ध नहीं थी। योजना के प्रथम चरण में बस्तर एवं सरगुजा संभाग के जिलों को सम्मिलित किया गया है।

अब तक मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत कुल 57 चयनित मार्गों पर 57 बसों का संचालन प्रारंभ किया जा चुका है। इन बसों के माध्यम से कुल 330 नए गाँवों तक पहली बार यात्री बस सुविधा पहुँची है, जिससे ग्रामीण जनजीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

योजना का प्रमुख उद्देश्य ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों को जनपद मुख्यालय, नगरीय क्षेत्र, तहसील मुख्यालय तथा जिला मुख्यालयों से जोड़ना है, जहाँ पूर्व में सार्वजनिक परिवहन की सुविधा नहीं थी। इससे ग्रामीण नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और प्रशासनिक सेवाओं तक सुगम पहुँच सुनिश्चित हो रही है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के अंतर्गत बस संचालकों को राज्य शासन द्वारा प्रति किलोमीटर वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। प्रथम वर्ष ?26 प्रति किलोमीटर, द्वितीय वर्ष ?24 प्रति किलोमीटर तथा तृतीय वर्ष ?22 प्रति किलोमीटर की दर से सहायता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त योजना के तहत गासिक कर में पूर्णतः छूट अधिकतम तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रदान की जा रही है, जिससे ग्रामीण मार्गों पर बस संचालन को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाया जा सके। मार्ग चयन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रखी गई है। इस योजना के अंतर्गत मार्गों का चयन जिला स्तरीय समिति की अनुशंसा के आधार पर राज्य स्तरीय समिति द्वारा किया जाता है, ताकि वास्तविक आवश्यकता वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता मिल सके।

चयनित मार्गों पर बस संचालन हेतु निविदा प्रक्रिया अपनाई जाती है। निविदा के माध्यम से न्यूनतम वित्तीय दर प्रस्तावित करने वाले पात्र आवेदक का चयन किया जाता है, जिससे शासन पर न्यूनतम वित्तीय भार पड़े और सेवा सतत बनी रहे। निविदा में चयनित आवेदक से विधिवत परमिट आवेदन प्राप्त कर सुनवाई की प्रक्रिया के उपरांत बस संचालन हेतु परमिट जारी किया जाता है। इससे नियामकीय प्रक्रिया का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाता है। वर्तमान में 12 नवीन ग्रामीण मार्गों पर बस संचालन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इसके अतिरिक्त 15 नए ग्रामीण मार्गों का चयन कर लिया गया है, जिन पर बस संचालन हेतु निविदाएँ आमंत्रित की गई हैं। जिलावार स्थिति की बात करें तो सुकमा में 8, नारायणपुर में 4, जगदलपुर में 2, कोण्डागांव में 4, कांकेर में 6, दंतेवाड़ा में 7, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 2, सूरजपुर में 6, कोरिया में 5, जशपुर में 7, बलरामपुर में 4 तथा अंबिकापुर में 2 बसों का संचालन किया जा रहा है। इस प्रकार कुल 57 मार्गों पर 57 बसें संचालित हैं। आगामी कार्ययोजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत 200 बसों के संचालन का लक्ष्य रखा गया है।

राज्य सरकार का यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाकर समावेशी विकास, सामाजिक सशक्तिकरण और आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगा।

# बिकिनी पहन पानी में आग लगाती दिखीं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हॉटनेस देख फैंस को सर्दी में भी आया पसीना

**एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल इन दिनों अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक की वजह से चर्चा में हैं। एक्टिंग की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली प्रज्ञा फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने मालदीव्स वेकेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखने के बाद फैंस उन पर दिल हार बैठे हैं।**

प्रज्ञा इन दिनों मालदीव्स में छुट्टियां बिता रही हैं। नीले समंदर, खूबसूरत मौसम और लग्जूरियस लोकेशन के बीच एक्ट्रेस ने अपने शानदार पलों को कैमरे में कैद किया है। उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस लगातार उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे।

तस्वीरों में एक्ट्रेस लाइम ग्रीन कलर की बिकिनी में नजर आ रही हैं। इस लुक में उनका कॉन्फिडेंस और ग्लैमरस अंदाज साफ झलक रहा है। समुंदर के बीच जहाज पर पोज देती हुईं प्रज्ञा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वहीं एक फोटो में वह पानी के बीच नेट पर लेटी दिखाई दे रहीं हैं, जहां समंदर के नजारे और उनका स्टाइल दोनों फैंस को इंप्रेस कर रहा है। जिसपर फैंस अपना दिल हार बैठे हैं और वो दीवानें हो रहे हैं.

बिकिनी लुक के अलावा प्रज्ञा ने लाइम ग्रीन डीपनेक ड्रेस में भी अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। ब्लैक सनग्लासेस और स्टाइलिश हेयरडू के साथ उनका ये अंदाज और भी अट्रैक्टिव दिख रहा है। इन फोटोज में प्रज्ञा का कॉन्फिडेंस और एलिगेंस दोनों नजर आ रहा है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। किसी ने उन्हें बेहद खूबसूरत बताया तो किसी ने उनके लुक को किलर कहा। प्रज्ञा के कमेंट सेक्शन में दिल और फायर इमोजी की बाढ़ आ रही है। तस्वीरों के अलावा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्रज्ञा एक कुक के साथ मुस्कुराते हुए बातचीत कर रही हैं। फैंस को उनका ये क्यूट अंदाज़ भी काफी पसंद आया। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रज्ञा जैसवाल साउथ फिल्मों में बड़ा नाम हैं। वह अखंडा और डाकू महाराज जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। बॉलीवुड में वो आखिरी बार फिल्म खेल खेल में में नजर आईं थीं। उनकी अपकमिंग फिल्मों को लेकर फैंस भी खासे एक्साइटेड हैं।

# खास रहा मानुषी छिल्लर के साथ साल 2016, ताजा की 10 साल पुरानी यादें

साल 2026 के शुरू होते ही सोशल मीडिया पर दस साल पुरानी फोटो और यादों को शेयर करने का ट्रेंड चल रहा है। बॉलीवुड सेलेब्स 2016 की खट्टी-मीठी यादों को शेयर कर रहे हैं। अब फेमिना मिस इंडिया और फिर मिस वर्ल्ड रही मानुषी छिल्लर ने साल 2016 की यादों से पर्दा उठाया है और कई मजेदार यादों को शेयर किया है।

मानुषी छिल्लर ने इंस्टाग्राम पर पुरानी मॉडलिंग की तस्वीरें और एमबीबीएस की छात्रा के रूप में कुछ फोटोज पोस्ट की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक साल मैंने हैना मोंटाना की तरह कॉलेज और एम्स, नई दिल्ली में मिस इंडिया द्वारा चुने जाने के बाद अपने शुरुआती फोटोशूट के बीच तालमेल बिठाने की कोशिश की।

क्लास के बाद एंट्री फॉर्म के लिए अपनी पहली कुछ तस्वीरें क्लिक कीं, फिर अपना पहला कैंपेन बुक किया और फिर बाकी के कैंपेन मिलते चले गए।

उन्होंने लिखा, एहसास हुआ कि बायोकेमिस्ट्री मेरे जीन में नहीं है, लेकिन बाकी सब है। मेरी पहली क्लिनिकल पोस्टिंग जनरल सर्जरी के दौरान कोई बेहोश हो गया था, लेकिन मैं वो नहीं थी। फिर मिस इंडिया के लिए एक बार के लिए इंस्टाग्राम जॉइन किया, और आज एक दशक बाद हम यहां हैं।

अभिनेत्री के कैप्शन से साफ है कि वाकई उन्होंने प्रसिद्ध सीरीज हैना मोंटाना की तरह दोहरी जिंदगी जी, लेकिन जीने का तरीका शानदार था। अभिनेत्री मॉडलिंग के साथ-साथ एमबीबीएस की पढ़ाई भी कर रही थी। एमबीबीएस की पढ़ाई ही अपने आप में मुश्किल है, और ऐसे में मिस वर्ल्ड जैसे बड़े सपने के लिए भी तैयारी करना अपने आप में एक बड़ा टास्क है। फिल्म पृथ्वीराज से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली मानुषी ने साल 2017 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता और फिर इसी साल उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब भी अपने नाम किया। अभिनेत्री मिस वर्ल्ड का खिताब पाने वाली छठी भारतीय महिला बनी थी।

# प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनस के साथ अपनी ही तस्वीर पर दी प्रतिक्रिया फैंस ने लुटाया प्यार

**प्रियंका चोपड़ा जोनस और निक जोनस ने एक बार फिर एक-दूसरे के प्रति प्यार बरसाकर अपने फैंस का दिल जीत लिया है। इस प्यारी जोड़ी ने सोशल मीडिया पर एक नई पोस्ट शेयर करके सबका ध्यान खींचा है और साबित कर दिया है कि वे एक आदर्श कपल हैं।**

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस का प्यार सोशल मीडिया पर हमेशा छाया रहता है। दोनों कभी भी पब्लिक में या पोस्ट के जरिए प्यार जताने से नहीं हिचकते और फैंस को रिलेशनशिप गोल्स देते रहते हैं। दोनों का यह प्यार फैंस के लिए हमेशा इंस्पिरेशन बना रहता है।

हाल ही में निक जोनस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रियंका के साथ एक खूबसूरत फोटो शेयर की। इस फोटो में निक काले सूट में बहुत हैंडसम लग रहे हैं, जबकि प्रियंका शिमरी नेवी ब्लू गाउन में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। निक ने फोटो पर कैप्शन लिखा, 'वाह, प्रियंका चोपड़ा।' निक के इसी पोस्ट पर अब प्रियंका ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर निक की शेयर की हुई तस्वीर को शेयर किया और निक को एक बड़ा सा डिजिटल किस इमोजी भेजा। यह तस्वीर हाल ही में हुए गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स के दौरान की है। प्रियंका के फैंस इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

एक फैन ने लिखा, 'वाह, क्या जोड़ी है'

एक दूसरे फैन ने लिखा, 'प्यार हो तो ऐसा'

एक और फैन ने लिखा, 'मेरी पसंदीदा जोड़ी'

## प्रियंका और निक की लव स्टोरी

प्रियंका और निक ने कुछ महीने डेटिंग के बाद दिसंबर 2018 में शादी कर ली थी। दोनों की एक प्यारी बेटी है जिनका नाम मालती मैरी चोपड़ा जोनस है। प्रियंका अक्सर निक की तारीफ करती हैं कि वे बहुत अच्छे पति और पिता हैं। एक बार कपिल शर्मा के शो में प्रियंका ने बताया था कि करवा चौथ पर निक उन्हें प्राइवेट प्लेन में बादलों के ऊपर ले गए थे ताकि वे चांद देखकर व्रत खोल सकें।

## किस फिल्म में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा?

फिल्मों की बात करें तो प्रियंका जल्द ही बॉलीवुड में वापसी करने वाली हैं। वे एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। यह एक बड़ी एक्शन-एडवेंचर फिल्म है, जिसमें महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। यह प्रियंका की लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा में वापसी होगी। फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली है। इसके अलावा प्रियंका हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आएंगी, जो 25 फरवरी, 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

# सर्दियों में मैट लिपस्टिक लगाने पर भी नहीं फटेंगे होंठ

## बस अपना लें ये 5 टिप्स

सर्दियों में सभी होंठों के सूखने से परेशान रहते हैं। ऐसे में मैट लिपस्टिक लगाना किसी बुरे सपने जैसा लगने लगता है। मैट लिपस्टिक पहले से ही कम चिकनी होती है और ठंडी हवाएं उसे और शुष्क बना देती हैं। इसे लगाने के बाद होंठ बुरी तरह फटने लगते हैं और पूरा लुक बिगड़ जाता है। ऐसे में ये मेकअप टिप्स आपके काम आ सकती हैं, जिनकी मदद से सर्दी में भी आप बेफिक्र हो कर मैट लिपस्टिक लगा पाएंगी।

### होंठों को एक्सफोलिएट करें

अगर आप शुष्क होंठों पर ही मैट लिपस्टिक लगा लेंगी तो वे और फटे दिखाई देंगे। ऐसे में पहले होंठों की देखभाल के तौर पर उन्हें एक्सफोलिएट करें। इससे मृत त्वचा हट जाएगी और लिपस्टिक के लिए मुलायम बेस मिलेगा। आप चीनी में शहद या नारियल तेल मिलाकर होंठों पर घिस सकती हैं। यह एक प्राकृतिक स्क्रब की तरह काम करेगा। हालांकि, अगर आपके होंठों से खून आ रहा हो तो स्क्रब करने की गलती न करें।

### लिप बाम लगाने के बाद कुछ देर इंतजार करें

लिप बाम होंठों को हाइड्रेट करने वाला उत्पाद है, जो सर्दियों में सभी के पास होता ही है। हालांकि, कई महिलाएं इसे इस्तेमाल करने के तुरंत बाद लिपस्टिक लगा लेती हैं। ऐसा करने के बजाय लिप बाम लगाने के बाद 10 मिनट रुकें और फिर लिपस्टिक लगाएं। लिपस्टिक इस्तेमाल करने के तुरंत पहले टिश्यू पेपर से अतिरिक्त लिप बाम साफ कर लें। इससे होंठों में नमी बनी रहेगी और लिपस्टिक ज्यादा देर तक टिकी रहेगी।

### लिप प्राइमर लगाएं

मैट लिपस्टिक लगाने से पहले आपको एक अच्छी गुणवत्ता वाला लिप प्राइमर भी लगाना चाहिए। यह होंठों और लिपस्टिक के बीच एक सुरक्षात्मक परत की तरह काम करेगा। यह परत नमी को होंठों में रोककर रखेगी, जिससे उनका फटना भी कम हो जाएगा। आपको शिया बटर और नारियल तेल जैसी सामग्रियों वाला लिप प्राइमर लगाना चाहिए, जो होंठों को नमी देने के साथ-साथ मुलायम भी बना देगा। इससे मैट लिपस्टिक होंठों की दरारों में भी नहीं भरेगी।

### अच्छी मैट लिपस्टिक चुनें

अगर आप सस्ती या लोकल ब्रांड की मैट लिपस्टिक लगाएंगी तो आपके होंठों का फटना तय है। परेशानी से बचने के लिए जाने-माने ब्रांड वाली मैट लिपस्टिक ही इस्तेमाल करें और उसके फार्मूला पर ध्यान दें। विटामिन-ई जैसे तत्वों से लैस क्रीमी मैट लिपस्टिक सर्दियों के लिए सबसे अच्छी रहती हैं। इस मौसम में आपको लिक्विड मैट लिपस्टिक नहीं लगानी चाहिए, क्योंकि वे होंठों को ज्यादा शुष्क बना देती हैं।

### लिप मास्क इस्तेमाल करें

केवल लिपस्टिक लगाने से पहले ही नहीं, बल्कि रोजाना होंठों की देखभाल करने की आदत डालें। इससे आपके होंठों का फटना कम हो जाएगा और वे हमेशा मुलायम बने रहेंगे। रात को सोने से पहले एक हाइड्रेटिंग लिप मास्क या पेट्रोलियम जेली लगा लें। आप इनकी जगह पर लिप बाम भी इस्तेमाल कर सकती हैं। हफ्ते में एक बार होंठों को एक्सफोलिएट करें और उन्हें नोचने की गलती बिलकुल न करें।

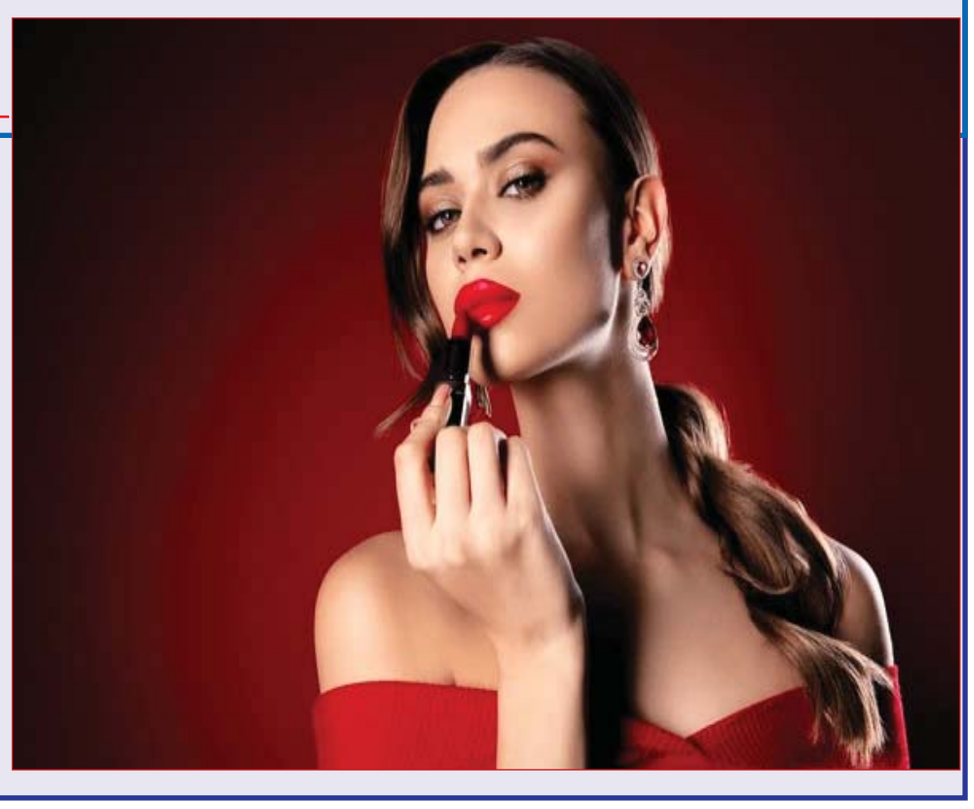

## खास खबर

### राष्ट्रीय बालिका दिवस को लेकर जिले में चल रहे 15 दिवसीय जागरूकता अभियान

**एमसीबी।** राष्ट्रीय बालिका दिवस भारत में प्रतिवर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2008 में की गई थी। इस दिवस का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के संरक्षण, सेव द गर्ल चाइल्ड, चाइल्ड सेक्स रेशियो में सुधार, बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सुरक्षित वातावरण के निर्माण को लेकर समाज में व्यापक जन जागरूकता फैलाना है।इसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत महिला सशक्तिकरण (हब) द्वारा 16 जनवरी 2026 से 30 जनवरी 2026 तक 15 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं एवं महिलाओं के अधिकारों, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति समाज को जागरूक करना है, ताकि वे अपने अधिकारों को पहचान सकें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।इस अभियान के अंतर्गत आज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ई-स्वर्ग), मनेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर विशेष रूप से एनीमिया को लेकर जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।

### कलेक्टर मिश्रा के नेतृत्व में डिजिटल प्रशासन की सशक्त पहल

**धमतरी।** डिजिटल इंडिया की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में शासन द्वारा लागू ई-ऑफिस प्रणाली आज प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, गति और जवाबदेही का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों में ई-ऑफिस के माध्यम से शासकीय कार्यों का सफल संचालन हो रहा है और इसी क्रम में धमतरी जिला भी उल्लेखनीय प्रगति के साथ डिजिटल प्रशासन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। 19 जनवरी 2026 की स्थिति के अनुसार, कार्यालयों के माध्यम से किए गए कार्यों की जिलेवार समीक्षा में धमतरी जिला 4,479 प्रकरणों के साथ एक सशक्त उपस्थिति दर्ज करता है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि जिले के विभिन्न विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली को न केवल अपनाया गया है, बल्कि उसका नियमित और प्रभावी उपयोग भी हो रहा है। ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलों का ऑनलाइन संधारण, नोटशीट, अनुमोदन एवं पत्राचार ने परंपरागत कागजी कार्यप्रणाली को काफी हद तक प्रतिस्थापित किया है। धमतरी जिले में राजस्व, शिक्षा, पंचायत, महिला एवं बाल विकास, कृषि, स्वास्थ्य, वन, आदिवासी कल्याण, लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन, सहकारिता, श्रम, पुलिस, निर्वाचन सहित अनेक विभागों द्वारा ई-ऑफिस का उपयोग किया जा रहा है। इससे विभागों के बीच समन्वय बेहतर हुआ है और फाइलों के अनावश्यक विलंब में कमी आई है। अब निर्णय प्रक्रिया अधिक त्वरित, पारदर्शी और ट्रैक करने योग्य हो गई है। ई-ऑफिस प्रणाली से जहां एक ओर समय और संसाधनों की बचत हो रही है, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी यह एक सकारात्मक पहल है, क्योंकि कागज के उपयोग में उल्लेखनीय कमी आई है। अधिकारी एवं कर्मचारी किसी भी समय, कहीं से भी फाइलों का अवलोकन और निराकरण कर पा रहे हैं।

# उद्योग मंत्री देवांगन ने दर्री क्षेत्र के 5 शासकीय स्कूलों को नवीन भवन की दी सौगात

### 2.30 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों की रखी नींव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर सक्रिय रहते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन द्वारा विकास कार्यों को लगातार स्वीकृति दिलाकर उन्हें धरातल पर उतारा जा रहा है। इसी कड़ी में आज मंगलवार को कोरबा नगर पालिक निगम के दर्री जोन के दो स्थानों पर आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में सात वार्डों में 2 करोड़, 32 लाख की लागत से होने वाले विकास कार्यों की आधारशिला रखी।

इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा, जल निकासी की समस्या से निजात के साथ-साथ शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं तक पहुँच सुगम होगी और क्षेत्र के सामाजिक व आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा विधानसभा का समग्र विकास ही उनकी प्राथमिकता है। कोरबा विधानसभा के साथ साथ पूरे जिले के विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि श्री विष्णुदेव सरकार में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) का बेहतर तरीके से उपयोग हो रहा है। डीएमएफ की पहली ही बैठक में ही जिले के सभी जर्जर हो चुके शासकीय स्कूलों एवं आँगनबाड़ी भवनोंके नवीन निर्माण हेतु स्वीकृति दिलाई गई थी। इसके साथ साथ अधोसंरचना के सड़क, पुल-पुलिया, नाली, पेयजल, विद्युत, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से परिपूर्ण वार्ड और नगर बनाना हेतु हम दृढ़ संकल्प होकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण सामग्री के साथ समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि आम जनता को शीघ्र लाभ प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि नगर के शासकीय स्कूल बदहाल हो चुके थे। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के प्रयासों से सभी जर्जर हो चुके स्कूलों के नवीन भवन हेतु राशि की स्वीकृति मिली है, इसी के परिणाम है कि एक साथ सभी स्कूलों का निर्माण प्रारंभ किया जा रहा है। सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देते हुए कार्यों को गति दी जा रही है।

दर्री जोन अंतर्गत फर्टिलाइजर बस्ती वार्ड क्रमांक-51 अंतर्गत प्राथमिक शाला डांडपारा में नवीन भवन निर्माण लागत राशि 16.95 लाख रूपए, शासकीय प्राथमिक शाला स्याहीमुड़ी के नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन राशि 16.95 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 59 में नीलगिरी बस्ती में सी.सी. रोड निर्माण कार्य 21 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 59 अंतर्गत फर्टिलाइजर बस्ती में जय साहू के घर से मिथुन मंडल के घर तक एवं राजकुमार यादव के घर से राम साहू के घर तक सी.सी. रोड निर्माण लागत 12 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 60 दर्रीखार क्रमांक 2 अंतर्गत प्राथमिक शाला ज्ञानज्योति तुलसी नगर में नवीन भवन निर्माण कार्य लागत 16.95 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 55 सेमीपाली, नवापारा साहू घर के बगल में निर्माण कार्य 10 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 56 लाटा सांस्कृतिक मंत्र से नाथूराम घर होते हुए रामकला यादव घर सर्वमंगला ट्रांसफार्मर से दयाल सिंह घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य लागत 22.50 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 56 अंतर्गत आनंद विहार लाटा में मनहरण लाल साहू एवं रथराम निर्मलकर घर के पास सी.सी. रोड निर्माण लागत 5 लाख रूपए, वार्ड क्रं. 56 शक्ति नगर क्रमांक 01 अंतर्गत प्राथ. शाला अगारखार में नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन लागत 16.95 लाख रूपए, वार्ड क्रं. 67 बल्गीखार गिरधारी दुकान से स्कूल जूनापारा घर तक आर.सी. नाली निर्माण कार्य लागत 10 लाख रूपए, वार्ड क्रं. 67 अंतर्गत माध्य. शाला बल्गीखार में नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन लागत 31.30 लाख रूपए, वार्ड क्र. 58 अटल आवास से ट्रांसफार्मर एवं जीवन आशा हॉस्पिटल तक ओ.पी.व्ही.सी. पाईप लाईन बिछाने कार्य लागत 29.64 लाख रूपए, वार्ड क्र. 55 दर्री सलिहाभांठा कमल तिवारी घर से राजपाल घर तक सलिहाभांठा शा. प्रायमरी स्कूल से बाबा घर तक, सुरईया घर से तेश प्रजापति घर एवं नागिनभांठा बाबा घर से संतोष घर तक ओ.पी.व्ही.सी. पाईप लाईन बिछाने कार्य का लागत 20.21 लाख रूपए का भूमिपूजन संपन्न हुआ।

## राजधानी रायपुर बनेगा 'ज्ञानोदय हब': प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में अनुसूचित जाति, जनजातीय, ओबीसी और कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयार के लिए बेहतर अवसर दिलाने के लिए सड्डू में चार नये हॉस्टल बनकर तैयार हो चुके हैं। इनकी कुल क्षमता 1000 सीटों की है। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि राजधानी रायपुर जल्द ही इन वर्ग के बच्चों के लिए ज्ञानोदय हब के रूप में विकसित हो रहा है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि सड्डू में बनाए जा रहे इन हॉस्टलों में रहने वाले विद्यार्थियों को सिविल सर्विसेस, एनडीए, क्लेट, नेट, स्लेट, पीटी, पीएमटी, आईआईटी, मेडिकल सहित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी।

पूरा परिसर लगभग 18 एकड़ में विकसित किया गया है।

नवनिर्मित हॉस्टलों में एकलव्य ड्रापर छात्रों के लिए आदि की कोचिंग हेतु 500 सीटर, ओबीसी बालक-बालिकाओं हेतु सौ-सौ सीटर, अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं के व्यवसायिक शिक्षा, शोध एवं अन्य उच्च शिक्षा हेतु 250 सीट शामिल है। इसकी लागत 35 करोड़ 30 लाख 64 हजार रूपए है। गौरतलब है कि सड्डू में पहले से ही प्रयास बालक-बालिकाएं सहित पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल संचालित है।

प्रमुख सचिव बोरा ने अधिकारियों को कहा कि विभाग द्वारा संचालित प्रदेश में सभी आश्रम-छात्रावासों पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली संबंधी वेबसाईट का नियमित अवलोकन करने तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। श्री बोरा ने आगामी माह फरवरी के 20-21 तारीख को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में जनजातीय जीवनशैली के साथ-साथ मेरा अपना विकसित गांव को भी जोड़ने का भी सुझाव दिया।

श्री बोरा ने बैठक में व्यक्तिगत स्तर पर यूनिक स्थानीय कलाओं जैसे भित्तीय चित्रकला, गोंड़ आर्ट सहित अन्य लोकल आर्ट को भी शामिल करने पर चर्चा की और आगामी मार्च माह में आयोजित होने वाले आदि परब, संगोष्ठी, तथा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संयुक्त रूप से वृहद स्तर पर कार्यक्रम करने के लिए निर्देश दिए। बैठक में आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की संचालक श्रीमती हिना अनिमेश नेताम सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## 26 जनवरी को जिले में गरिमामय ढंग से मनाया जायेगा गणतंत्र दिवस

### मुख्य समारोह मिनी स्टेडियम बीजापुर में होगा सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बीजापुर।** जिले में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह गरिमामय ढंग से मनाया जायेगा। जिले में मुख्य समारोह मिनी स्टेडियम बीजापुर के मैदान में आयोजित किया जायेगा।

गणतंत्रत दिवस समारोह आयोजन की तैयारी हेतु समीक्षा बैठक कलेक्टर संबित मिश्रा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर कैम्प, ऑफिस, कलेक्टर निवास में प्रात 7:15 बजे कलेक्टर बीजापुर द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। इसके पश्चात् प्रात: 7:30 बजे कलेक्टर बीजापुर द्वारा कलेक्टोरेट बीजापुर में ध्वजारोहण किया जायेगा, जिसमें कलेक्टोरेट में संचालित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी सम्मिलित होंगे। इसके अलावा सभी शासकीय, अशासकीय संस्थाओं में प्रात: 7:30 बजे कार्यालय प्रमुख या संस्था प्रमुख के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा।

समारोह में स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों के परिजनों, पुलिसकर्मियों, नगर सैनिकों, विद्यार्थियों एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी जाएगी।

## रायपुर साहित्य उत्सवः 2026 के लिए आम जनता हेतु सुगम यातायात व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की समृद्ध साहित्यिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपरा को राष्ट्रीय पटल पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से रायपुर साहित्य उत्सव 2026 का भव्य आयोजन 23 से 25 जनवरी 2026 तक नवा रायपुर अटल नगर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में किया जा रहा है।

आम नागरिकों, साहित्य प्रेमियों, विद्यार्थियों एवं युवाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा उत्सव स्थल तक सुगम एवं नि:शुल्क यातायात की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोग बिना किसी बाधा के इस तीन दिवसीय साहित्यिक महोत्सव में सहभागिता कर सकें। इस व्यवस्था के अंतर्गत रायपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पुरखौती मुक्तांगन, नवा रायपुर तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कुल 6 विशेष बस रूट निर्धारित किए गए हैं। ये बसें तीनों दिन सुबह 9 बजे, 10.30 बजे, दोपहर 12 बजे, 1:30 बजे, 3 बजे तथा शाम 4:30 बजे निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित होंगी।

रूट क्रमांक 1 टाटीबंध से प्रारंभ होकर सरोना, रायपुरा चौक, कुशालपुर, भाठागांव चौक, संतोषी नगर चौक, पचपेड़ी नाका, एमएमआई, देवपुरी, डूमरतराई, माना मोड़, टेमरी, माना कैंप और नवा रायपुर होते हुए पुरखौती मुक्तांगन पहुंचेगा।

## हृदय रोग से पीड़ित दिव्या ऑपरेशन के बाद जी रही है सामान्य जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित चिरायु योजना (आरबीएसके) जरूरतमंद बच्चों के लिए संजीवनी सिद्ध हो रही है। यह योजना न केवल गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान कर रही है, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराकर उनके जीवन में नया उजाला भी ला रही है। इसका जीवंत उदाहरण कोरबा विकासखंड के ग्राम मंडीपारा, भैंसमा निवासी कुमारी दिव्या खड़िया है।

कुमारी दिव्या खड़िया, पिता श्री श्रवण कुमार खड़िया, प्राथमिक शाला में कक्षा दूसरी की छात्रा है। उसे बचपन से ही चलने-फिरने, खेलकूद करने और सामान्य गतिविधियों के

दौरान सांस फूलने की समस्या रहती थी। इस स्थिति से उसके माता-पिता और शिक्षक लगातार चिंतित रहते थे। विद्यालय में चिरायु योजना की टीम द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान दिव्या की जांच की गई, जिसमें उसके हृदय की धड़कन अन्य बच्चों की तुलना में असामान्य पाई गई। चिरायु टीम द्वारा दिव्या के माता-पिता को हृदय में छेद होने की संभावना से अवगत कराया गया। यह जानकारी सुनकर माता-पिता चिंतित हो उठे और उपचार व खर्च को लेकर परेशान हो गए।

टीम के चिकित्सकों ने उन्हें शासन की चिरायु योजना के बारे में जानकारी देते हुए आश्वस्त किया कि इस योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की जांच एवं उपचार पूर्णत: नि:शुल्क किया जाता है। माता-पिता की सहमति से दिव्या का चिरायु योजना के तहत 21 अक्टूबर 2025 को वी.वाई. अस्पताल में हृदय का नि:शुल्क ऑपरेशन सफलतापूर्वक कराया गया। ऑपरेशन के बाद दिव्या अब पूरी तरह स्वस्थ है और सामान्य बच्चों की तरह पढ़ाई एवं खेलकूद करते हुए खुशहाल जीवन जी रही है।

# केन्द्र व राज्य सरकार आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पितः मंत्री टंकराम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बालोद।** प्रदेश के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार आदिवासियों के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है।

उन्होंने आदिवासी समाज को सहज, सरल, निश्चल, मेहनकश एवं स्वाभिमानी समाज बताते हुए कहा कि जनजातीय समाज का विरासत एवं संस्कृति अत्यंत वैभवशाली है। कैबिनेट मंत्री वर्मा आज जिले के डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम नर्राटोला में अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी समाज द्वारा आयोजित शहीद गैंदसिंह नायक शहादत दिवस के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। मंत्री श्री वर्मा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय हल्बा, हल्बी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मंतूराम पवार ने किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने आदिवासी समाज के गौरवशाली विरासत के अलावा शहीद गैंदसिंह नायक के अदम्य वीरता के साहस एवं पराक्रम के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के संबंध में भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अमर शहीद गैंदसिंह नायक ने अंग्रेजी हुकुमत के दमन एवं क्रूरता का प्रतिकार करने हेतु आदिवासी समाज को संगठित कर सन् 1824 एवं 1825 में अंग्रेजों के विरूद्ध क्रांति का शंखनाद किया था। इस तरह से शहीद गैंदसिंह नायक के नेतृत्व में आदिवासी समाज के द्वारा 1857 के क्रांति के पूर्व मध्य भारत के सघन आरण्य छत्तीसगढ़ में सर्वप्रथम क्रांति के लौ को प्रज्ज्वलित की थी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी हुकुमत के द्वारा 20 जनवरी 1825 को शहीद गैंदसिंह नायक को सरेआम फांसी दे दी गई थी। इस तरह से देश के आजादी के क्रांति का सर्वप्रथम बिगुल फुंकने का कार्य आदिवासी समाज के महापुरूषों एवं जननायकों द्वारा प्रारंभ किया गया था। श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले केन्द्र सरकार एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा जनजातीय समाज के हितो की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा बस्तर के सुदर अंचलों में शिक्षा की बेहतर व्यवस्था के अलावा सड़क, पुल-पुलिया, बिजली, शुद्ध पेयजल आदि बुनियादी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 'हम न केवल आदिवासियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेंगे वरन उनके गौरवशाली विरासत एवं संस्कृति को भी वैश्विक पहचान दिलाने का कार्य करेंगे।

## पोषण ट्रैकर ऐप में शत-प्रतिशत हितग्राहियों का पंजीयन सुनिश्चित करें-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायगढ़।** जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्राथमिक योजनाओं के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित सभाकक्ष में संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में उन्होंने विभागीय योजनाओं की सेक्टरवार प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि पोषण एवं बाल विकास से जुड़े कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। कलेक्टर ने पोषण ट्रैकर ऐप में हितग्राहियों के पंजीयन एवं फेस कैप्चर की प्रगति की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कम प्रगति वाले सेक्टरों के सीडीपीओ को ग्राम पंचायतवार आधार अपडेशन शिविर आयोजित करने हेतु कार्ययोजना तैयार करने तथा जनपद पंचायत, आरईओ, ग्राम पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिन के समन्वय से इस कार्य को मिशन मोड में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने पोषण ट्रैकर की ग्रोथ मॉनिटरिंग रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए बच्चों के वजन एवं ऊंचाई मापन हेतु आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में मापन उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए, ताकि बच्चों के पोषण स्तर की नियमित एवं सटीक निगरानी सुनिश्चित की जा सके। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों में रेडी- टू-ईट एवं गरम भोजन वितरण, बच्चों की उपस्थिति तथा केंद्रों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल भोजन वितरण स्थल नहीं, बल्कि बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

इसके लिए केंद्रों में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु स्वच्छ, सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण विकसित किया जाए। कलेक्टर ने नवीन आंगनबाड़ी भवन निर्माण की प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

## खास खबर

### जगदलपुर में अज्ञात वाहन ने भालू को मारी टक्कर, मौत

**जगदलपुर।** जगदलपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-30) पर पुराने टोल प्लाजा के पास मेटावाड़ा इलाके में तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक भालू की मौत हो गई। अज्ञात मारुति वाहन ने भालू को जोरदार टक्कर मारी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग के एसडीओ देव लाल दुग्गा ने बताया कि, घटना स्थल से वाहन के कई टूटे हुए हिस्से बरामद किए गए हैं। वन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जिससे वाहन और चालक की पहचान की जा सके। विभाग ने लोगों से भी अपील की है कि, यदि किसी को घटना से संबंधित जानकारी हो तो वह वन विभाग को सूचित करे। वन विभाग के अनुसार, भालू के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा और आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा।

### मड़वारानी पहाड़ पर ऑटो में लगी आग, परिवार ने कुदकर बचाई जान

**कोरबा।** कोरबा मड़वारानी पहाड़ पर देवी दर्शन के लिए जाते समय सवारी ऑटो में एकाएक आग लग गई। इस दौरान चालक समेत परिवार ने बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। उरगा थाना अंतर्गत बरपाली निवासी राकेश कुमार बरेठ अपने परिवार के साथ मां मड़वारानी के दर्शन के लिए ऑटो से जा रहा था। पहाड़ की चढ़ाई से गुजरते समय एकाएक ऑटो में आग लग गई। इस दौरान राकेश समेत परिवार के सभी सदस्यों ने बाहर कूदकर अपनी जान बचाई।

### नकली सोने को असली बताकर 48 लाख की ठगी

**राजनांदगांव।** आईसीआईसीआई बैंक में नकली सोने के माध्यम से 48 लाख की हुई धोखाधड़ी मामले में पुलिस ने सहयोगी सुनार को गिरफ्तार किया है। आरोपी सुनार को बैंक ने गोल्ड लोन के लिए आने वाले सोने के सत्यापन के लिए अधिकृत किया था। मुख्य आरोपी राजेश लुनिया ने बैंक में 1400 ग्राम सोना गिरवी रखा। जिसके एवज में 48 लाख रुपए का लोन लिया। तब लोन का भौतिक सत्यापन के दौरान सुनार राजकुमार देवकर ने सोने को असली बताया। कुछ समय बाद बैंक को सोने के नकली होने की जानकारी मिली। इसके बाद धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई। घटना के बाद से दोनों आरोपी फरार हो गए थे। कोतवाली पुलिस ने लंबे समय बाद आरोपी सुनार राजकुमार देवकर को गिरफ्तार किया है। वहीं मुख्य आरोपी राजेश लुनिया अब भी फरार है। जिसकी पतासाजी की जा रही है।

# अंधे कत्ल का खुलासा : पत्नी को डेढ़ महीने बंधक बनाया हत्या कर जला दिया था शव, हत्यारा पति गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महासमुंद पुलिस ने तुमगांव थाना क्षेत्र के कोडार डेम जंगल में एक साल पहले मिले अज्ञात महिला के जले हुए शव के अंधे कत्ल का खुलासा किया है। पुलिस ने इस सनसनीखेज मामले में आरोपी सूरज ध्रुव को गिरफ्तार किया है, जो लालच और लूट के इरादे से महिला की हत्या कर शव को जलाने का दोषी पाया गया है। आरोपी के पास से महिला के पहने हुए गहने और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

दरअसल इस मामले में 2 अप्रैल 2025 को प्रार्थी देवदास चेलक ने तुमगांव थाना क्षेत्र के कोडार डेम के सागौन जंगल में एक अज्ञात महिला का जला हुआ और क्षत-विक्षत शव मिलने की सूचना दी थी। इसके बाद मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

यह मामला पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हुआ। सबसे बड़ी चुनौती अज्ञात महिला की पहचान करना था। पुलिस ने डीएनए टेस्ट की मदद से मृतिका की पहचान सुनीता रजक, पत्नी राजेश रजक, उम्र 55 वर्ष, निवासी धमतरी के रूप में की।

### रिश्तेदार के घर आई थी महिला

मृतिका सुनीता रजक की पहचान के बाद, परिजनों ने बताया कि वह अपनी बड़ी बहन के घर ग्राम पटेवा मड़ई मेला देखने आई थी। 30 जनवरी 2025 को वह पटेवा से महासमुंद जाने के लिए एक अज्ञात व्यक्ति से मोटरसाइकिल में लिफ्ट लेकर निकली थी, जिसके बाद से वह लापता थी। इस संबंध में थाना पटेवा में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज की गई थी।

### सालभर की मेहनत के बाद आरोपी तक पहुंची पुलिस

अज्ञात महिला के शव की पहचान होने के बाद, पुलिस ने आरोपी की पतासाजी के लिए लगातार प्रयास शुरू किए। टेक्निकल टीम की एक साल की कड़ी मेहनत के बाद पुलिस को सूरज ध्रुव, पिता हृदय ध्रुव, निवासी ग्राम खुंटेरी, थाना खल्लारी के बारे में सुराग हाथ लगे।

### लालच और लूट बनी हत्या का कारण

पूछताछ में सूरज ध्रुव ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि वह पहले भी 1 अप्रैल 2018 को अपनी पत्नी संतोषी ध्रुव की हत्या के मामले में तुमगांव थाने में दिसंबर 2024 तक जेल की सजा काट चुका है। जेल से छूटने के बाद वह अपने बहन और जीजा के घर ग्राम कौंवाझर में रह रहा था और अपने जीजा की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करता था। 30 जनवरी 2025 को, सूरज ध्रुव मोटरसाइकिल लेकर पटेवा बस्ती की ओर घूमने गया था। वहां वापसी के समय, ग्राम पटेवा के नंदी चौक के पास एक महिला (सुनीता रजक) ने उससे लिफ्ट मांगी। सूरज ने उसे महासमुंद ले जाने और शाम को छोड़ने का झांसा देकर, कोडार डेम घुमाने के लिए ले गया। वहां उसने महिला को काम दिलाने और अपने साथ रखने का लालच दिया और उसे अपने जीजाजी के घर के पीछे एक बंद पड़े घर में रहने की व्यवस्था कर दी।

### लालच बढ़ा, हत्या को अंजाम दिया

करीब डेढ़ महीने बाद, जब महिला ने अपने घर लौटने की जिद की और उससे लड़ाई करने लगी, तब सूरज के मन में लालच आ गया। उसने महिला सुनीता रजक को लूटने की योजना बनाई। मार्च महीने के अंतिम सप्ताह में, एक शाम करीब 7:00-7:30 बजे, उसने महिला को खाना खिलाया और उसे महासमुंद छोड़ने के बहाने मोटरसाइकिल में बैठाकर कोडार बस्ती पार करके कच्ची सड़क वाले सागौन प्लाट में ले गया। सुनसान जंगल देखकर, सूरज ने मोटरसाइकिल खराब होने का बहाना बनाकर उसे रोका। महिला को गाड़ी से उतारकर, उसने पीछे से उसकी साड़ी खींचकर गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद, उसने महिला के पहने हुए सोने-चांदी के गहने उतार लिए और शव को पहचान छुपाने के लिए आसपास से सूखे पत्ते और लकड़ी डालकर जला दिया। उसने महिला के बैग, सैंडल, दवाई और अन्य सामानों को भी जला दिया और मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मृतिका द्वारा पहने गए दो नग सोने के टॉप, दो नग चांदी के पायल, 06 नग चांदी की बिछिया, मृतिका के बैग में रखा सोने का झुमका का एक नग, और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (सीजी 06 जीए 3140) को जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

# दहेज बना मौत की वजह, महिला की हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कवर्धा।** छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां दहेज की मांग ने एक विवाहिता की जान ले ली। लोहारा थाना क्षेत्र के महाराटोला गांव में मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि दहेज को लेकर पति ने पहले पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट की और फिर उसे जहर पिलाकर मौत के हवाले कर दिया।

घटना के बाद आरोपी पति जोहन साहू ने अपने अपराध को छिपाने के इरादे से पत्नी लोकेश्वरी को लोहारा अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर किया, जहां इलाज के दौरान लोकेश्वरी ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और हत्या के आरोप में पति को गिरफ्तार कर लिया गया।

इधर, मृतका के परिजन एसपी कार्यालय पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की शिकायत दर्ज कराई। लोकेश्वरी के पिता ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के अन्य लोगों ने भी मिलकर उसकी बेटी के साथ मारपीट की और जहर पिलाकर उसकी हत्या की। परिजनों ने आरोपी के माता-पिता की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं।

इस मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि आरोपी पति को हिरासत में ले लिया गया है और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों की भूमिका की जांच की जा रही है। जांच में दोषी पाए जाने पर सभी के खिलाफसख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है, वहीं मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

### पैसों को लेकर मारपीट मामले में आरोपी युवक हुआ गिरफ्तार

**रायगढ़।** रायगढ़ थाना जूटमिल क्षेत्र अंतर्गत झोपड़ीपारा में 11 जनवरी को पुरानी लेन-देन को लेकर हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने आरोपी अनुज यादव (18) को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी ने भास्कर दास के सिर पर ईंट से वार किया और चाकूनुमा वस्तु से कमर पर हमला किया, जिससे भास्कर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल रायगढ़ में भर्ती कराया गया। थाना जूटमिल में प्रकरण संख्या 12/26 के तहत धारा 296, 351(3) और 115(2) भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया और घटना में प्रयुक्त चाकू व ईंट का टुकड़ा जब्त किया गया। मामले में आरोपी अनुज को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे रिमांड पर भेजा गया। थाना प्रभारी प्रशांत राव, सहायक उप निरीक्षक राजेन्द्र पटेल और हमराह स्टाफ ने कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जूटमिल पुलिस ने चेताया है कि क्षेत्र में असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

# खरीदारी करने पहुंची महिला ने चुराए सोने के चेन , सीसीटीवी में दिखा चेहरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर के सदर बाजार स्थित भोरावत एंड संस सर्राफा दुकान में खरीदारी करने पहुंची एक महिला ने सोने की चेन चुरा लिए। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दिया है।

चोरी की गई चेन में मोती लगे हुए थे, जिसका कुल वजन 13.550 ग्राम बताया गया है। इसमें 4.320 ग्राम 18 कैरेट सोना शामिल है। जांच में सीसीटीवी में महिला का चेहरा साफ नजर आया है। अब उसकी तलाश जारी है।

### दुकान में ग्राहक बनकर पहुंची थी महिला

कारोबारी प्रिंस जैन ने पुलिस को बताया कि ब्रम्हपुरी विरंची नारायण मंदिर के पास रहते हैं। सदर बाजार में भोरावत एंड संस उनकी सोने-चांदी की दुकान है। 15 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 3 से 3:30 बजे के बीच एक महिला दुकान में ग्राहक बनकर पहुंची।

उसने सेल्समैन संगीता धाकड से सोने की चेन दिखाने को कहा। इसी दौरान महिला ने बातचीत में उलझाकर मौका देखकर एक सोने

की चेन उठा ली। वारदात के बाद जब दुकान स्टाफ को शक हुआ तो सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें महिला चोरी करते हुए साफ नजर आ रही है। चोरी की गई चेन में मोती लगे हुए थे, जिसका कुल वजन 13.550 ग्राम बताया गया है। इसमें 4.320 ग्राम 18 कैरेट सोना शामिल है।

### महिला की शिनाख्त में जुटी पुलिस

कारोबारी की शिकायत पर महिला ठग के खिलाफ केस दर्ज करके पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। महिला के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी शिनाख्त की जा रही है। रायपुर पुलिस के अधिकारियों का कहना है, कि महिला ठग को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

### मदिरा के अवैध परिवहन पर कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** सचिव सह आबकारी आयुक्त आर. शंगीता के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर रायपुर गौरव सिंह के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। आबकारी वृत खमतराई अंतर्गत अवैध मदिरा के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए एक प्रकरण कायम किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 जनवरी 2026 को आबकारी विभाग द्वारा कायम प्रकरण क्रमांक 01 अंतर्गत छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई घटनास्थल - बीरगांव, थाना उरला, जिला रायपुर में की गई, जहां आरोपी भागी नवरंगे के कब्जे से 35 नग पाव देशी मदिरा मसाला बरामद की गई। जप्त मदिरा की कुल मात्रा 6.3 बल्क लीटर है, जिसकी अनुमानित कीमत 3,500 रुपये बताई गई है। आबकारी विभाग द्वारा मदिरा परिवहन में प्रयुक्त एक होंडा एक्टिवा वाहन भी जप्त किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख रुपये है। आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

# धान खरीदी में 8.14 करोड़ का फर्जीवाड़ा, राइस मिलर व समिति प्रबंधक सहित 5 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुंगेली में धान खरीदी एवं परिवहन के मामले में गड़बड़ी के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। आईसीसीसी मार्कफेड रायपुर से प्राप्त अलर्ट के आधार पर की गई जांच में धान के अवैध ओवरलोडिंग, फर्जी वाहनों से परिवहन तथा रिसायक्लिंग के गंभीर मामले उजागर हुए हैं। जांच में यह सामने आया कि धान उठाव करने वाले वाहनों द्वारा वास्तविक क्षमता से 200 प्रतिशत से लेकर 1116 प्रतिशत तक अधिक ओवरलोडिंग कर अवैध परिवहन किया गया।

कलेक्टर कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशानुसार खाद्य विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई विस्तृत जांच में राइस मिलरों, समिति प्रबंधकों एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों द्वारा संगठित रूप से फर्जीवाड़ा कर शासन को 8 करोड़ 14 लाख रुपए से अधिक की आर्थिक क्षति पहुंचाने का खुलासा हुआ है। इस गंभीर प्रकरण में विभिन्न थानों में एफआईआर दर्ज कर 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि कुछ आरोपी फरार हैं।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि

आरोपियों द्वारा जानबूझकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए, पीडीएस चावल का वितरण नहीं किया गया, फर्जी वाहन नंबरों के माध्यम से धान का परिवहन दर्शाया गया तथा वास्तविक मात्रा से अधिक धान उठाव दिखाकर शासन को नुकसान पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में लगभग 11 लाख क्विंटल से अधिक धान की खरीदी एवं परिवहन में अनियमितता के प्रमाण मिले हैं।

नवागांव घुठेरा समिति द्वारा उपलेटा राइस मिल से मिलीभगत कर 74 जीपीएस युक्त एवं 40 से अधिक बिना जीपीएस वाहनों के माध्यम से धान का अवैध परिवहन किया गया। इसी प्रकार, सिंघनुपरी उपार्जन केन्द्र द्वारा एसएस फूड के साथ मिलकर 4,542 क्विंटल धान का बिना जीपीएस वाहन से परिवहन, छटन उपार्जन केन्द्र द्वारा दीपक राइस मिल एवं नवकार मिल के साथ मिलकर 3,589 क्विंटल धान का अवैध परिवहन तथा झगरहट्टा उपार्जन केन्द्र द्वारा वर्धमान राइस मिलर्स के साथ अनियमितता किए जाने पर कार्रवाई की गई है।

इन मामलों में अब्दुल सत्तार पिता गुलाम कादर निवासी दाउपारा, विकास पाण्डेय पिता विनय पाण्डेय निवासी भटगांव-मुंगेली, महावीर जैन पिता ललित जैन, संतोष साहू पिता बलदाऊ, श्रीधर परिहार पिता हितकिशोर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं अब्दुल समद, ललित जैन, नवेन्द मेनन एवं अनिल जांगड़े फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

### अन्य थानों में भी दर्ज हुए प्रकरण

थाना फास्टरपुर में अपराध क्रमांक 12/2026 एवं थाना लालपुर में अपराध क्रमांक 09/2026 के तहत भी धान उपार्जन केन्द्रों में फर्जी परिवहन, धोखाधड़ी एवं अनियमितताओं के मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में भी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। जिला प्रशासन का कहना है कि धान खरीदी एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार अथवा फर्जीवाड़ा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी तथा फरार आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

## कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा) बालोद छ.ग.

Fax- 07749-223915 Email-id actwd.balod@gmail.com

क्रमांक/1114/आ.जा.क/ निर्माण/2025-26 **!! निविदा आमंत्रण !!** बालोद, दिनांक 16.01.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा भवन दर अनुसूची जो दिनांक 01.01.2015 से (समस्त संशोधन सहित) प्रभावशील है। एस.ओ.आर पद्धति के तहत पंजीकृत डाक (ए.डी.) स्पीड पोस्ट के माध्यम से वर्ष 2025-26 में जिले के विभागीय छात्रावास/आश्रमों में लघु निर्माण/जीर्णोद्धार/मरम्मत/अनुरक्षण कार्य के लिये निविदा आमंत्रित किया जाता है। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

(राशि लाख में)

| क्र. | स्वीकृत कार्य का नाम एवं कार्य स्थल का नाम | विकास खण्ड | कार्य की अनुमानित लागत | प्रतिभूति राशि | निविदा का दर |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्री.मै.आदिवासी बालक छात्रावास डौण्डीलोहारा बोर खनन कार्य | डौण्डीलोहारा | 1.94 | 2000/- | 300/- |
| 2 | प्री.मै.आदि.बालक छात्रा भाठागाँव "आर" में अतिरिक्त कक्ष निर्माण | गुण्डरदेही | 9.98 | 9900/- | 750/- |
| 3 | प्री.मै.आदर्श आदिवासी बालक छात्रावास क्र. 1 डौण्डी में जीर्णोद्धार कार्य | डौण्डी | 4.99 | 5000/- | 750/- |
| 4 | प्री.मै. अनुसूचित जन जाति बालक छात्रावास कोचवाही बोर खनन कार्य जीर्णोद्धार कार्य | गुरूर | 1.94 | 2000/- | 300/- |
| 5 | आदिवासी बालक आश्रम दुर्गीटोला में शौचालय जीर्णोद्धार | डौण्डीलोहारा | 1.10 | 1100/- | 300/- |
| 6 | प्री.मै.आदिवासी कन्या छात्रा.डौण्डीलोहारा वि.खं.डौण्डीलोहारा जीर्णोद्धार निर्माण कार्य | डौण्डीलोहारा | 3.62 | 3600/- | 750/- |
| 7 | प्री.मै.आदिवासी बालक छात्रावास बिटाल वि.ख. डौण्डी जीर्णोद्धार कार्य | डौण्डी | 8.55 | 9000/- | 750/- |
| 8 | प्री.मै.आदिवासी बालक छात्रा भवरमरा वि. ख. डौण्डीलोहारा में जीर्णोद्धार कार्य | डौण्डीलोहारा | 9.75 | 9800/- | 750/- |
| 9 | पो.मै.आदिवासी बालक छात्रा. डौण्डीलोहारा में नलकूप खनन कार्य | डौण्डीलोहारा | 1.77 | 1800/- | 300/- |
| 10 | पो.मै.आदिवासी कन्या छात्रवास डौण्डी में पेयजल सप्लाई कार्य | डौण्डी | 1.04 | 1000/- | 300/- |
| 11 | प्री.मै.आदि. बालक छात्रा, भाठागाँव "बी" दरवाजा खिड़की मरम्मत कार्य | गुण्डरदेही | 5.23 | 5500/- | 750/- |
| 12 | प्री.मै. सूरज आदिवासी बालक छात्रा. डौण्डी वि. खं. डौण्डी जीर्णोद्धार निर्माण कार्य | डौण्डी | 3.14 | 3100/- | 750/- |
| 13 | प्री.मै. सूरज आदिवासी बालक छात्रा. डौण्डी वि.खं.डौण्डी में जीर्णोद्धार कार्य | डौण्डी | 3.14 | 3100/- | 750/- |
| 14 | शासकीय आदिवासी बालक क्रीड़ा परिसर डौण्डी में जीर्णोद्धार कार्य | डौण्डी | 6.50 | 6500/- | 750/- |
| 15 | शासकीय आदिवासी बालक क्रीड़ा परिसर डौण्डी में जीर्णोद्धार कार्य | डौण्डी | 6.10 | 6100/- | 750/- |
| 16 | प्री.मै. आदर्श आदिवासी बालक छात्रावास क्र. 2 डौण्डी में जीर्णोद्धार कार्य | डौण्डी | 4.19 | 4190/- | 750/- |
| | योग - (अक्षरी- बहत्तर लाख अन्ठयानबे हजार रू.) | | 72.98 | | |

निविदा हेतु प्रस्तावित कार्य विवरण, निविदा प्रपत्र एवं निविदा शर्ते अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में उपस्थित हो कर निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि नगद रू. 750/- एवं 300/- भुगतान कर कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1. निविदा हेतु आवेदन की अंतिम तिथि :- 27.01.2026 दिन मंगलवार, दोपहर 3.00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि :- 30.01.2026 दिन शुक्रवार, शाम 5.00 बजे तक
3. निविदाकार से निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि :- 06.02.2026 दिन शुक्रवार, शाम 5.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि :- 09.02.2026 दिन मंगलवार, दोपहर 12.00 बजे तक

जी - 252606163/4

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास बालोद

### घर के सामने से ट्रैक्टर चोरी, 5 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**राजनांदगांव।** गैंदाटोला पुलिस ने ट्रैक्टर चोरी के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक नाबालिग है। आरोपियों से ट्रैक्टर बरामद कर लिया गया है। चोरी में प्रयुक्त कार भी पुलिस ने जब्त किया है। गैंदाटोला पुलिस ने बताया कि ग्राम खुर्सीपार में रहने वाले किसान जीवन लाल पटेल ने 14 जनवरी की रात अपने घर के सामने रखे ट्रैक्टर की चोरी की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरु की। आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज के आधार पर नाबालिग संदेही को पकड़कर पूछताछ की गई। पुलिस ने मामले में शामिल देवेंद्र साहू, यशवंत नेताम, योगेश साहू और अजय कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

## प्रमुख खबरें

### निगम ने 84 बड़े बकायादारों के नाम किए सार्वजनिक

**कोरबा।** नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा 84 बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक करते हुए उनसे कहा है कि वे शीघ्र करों की बकाया राशि निगम कोष में जमा कराएं अन्यथा उनके विरूद्ध कुर्की की कार्यवाही की जाएगी, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। निगम के इन बड़े बकायादारों के द्वारा बकाया कर की राशि नहीं जमा कराई जा रही परिणाम स्वरूप यह बकाया करों की राशि करोड़ों में पहुंच चुकी है। यहाँ उल्लेखनीय है कि निगम को सम्पत्तिकर, जलकर, भवन, दुकान किराया सहित अन्य करों की करोड़ो रूपये की राशि बकायादारों, करदाताओं से प्राप्त करना शेष है।

### 22, 26 एवं 30 जनवरी को बंद रहेंगे पशुवध गृह

**कोरबा।** नगर पालिक निगम केारबा क्षेत्रांतर्गत संचालित समस्त वधशालाओं एवं मांस विक्रय की दुकानों को दिनांक 22, 26 एवं 30 जनवरी 2026 को पूर्ण रूप से बंद रखा जाएगा। 22 जनवरी को श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा दिवस, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस एवं 30 जनवरी को गांधी निर्वाण दिवस के अवसर पर पशुवधगृहों व मांस विक्रय की दुकानों को पूर्ण रूप से बंद रखने तथा किसी भी प्रकार का पशुवध न करने और न ही मांस का विक्रय करने के निर्देश समस्त पशुवधगृह संचालकों व संबंधित दुकानदारों केा दिए गए हैं। उल्लंघन पाए जाने पर यथोचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

### शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन एक फरवरी को

**रायगढ़।** छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन 01 फरवरी 2026 को दो पालियों में आयोजित किया जाएगा। इसके लिये रायगढ़ जिले में प्रथम पाली में 30 परीक्षा केंद्र और द्वितीय पाली में 47 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन हेतु व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये गये है। जारी दिशा निर्देशित के अनुसार परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारम्भ होने के 2.00 घण्टे पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुचना होगा, ताकि उनका मंडल के निर्देशानुसार फ्रिस्किंग तैनात महिला और पुरुष पुलिस कर्मी द्वारा की जाएगी।

# छत्तीसगढ़ में तेजी से बदली किसानी की तस्वीर

### तकनीक के सहारे बदली धान खरीदी की तस्वीर, छत्तीसगढ़ का किसान हो रहा सशक्त

### किसान तुहंर टोकन ऐप से घर बैठे टोकन, समय-श्रम दोनों की बचत

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था में तकनीक के समावेश ने किसानों के अनुभव को पूरी तरह बदल दिया है। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई पारदर्शी और डिजिटल व्यवस्था से अब धान विक्रय सरल, तेज और किसान हितैषी हो गया है। किसान तुहंर टोकन ऐप के माध्यम से घर बैठे टोकन काटने की सुविधा ने किसानों को बड़ी राहत दी है।

सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत किशुननगर के किसान दीपन सिंह इस बदलाव की जीवंत मिसाल हैं। उन्होंने बताया कि वे इस वर्ष 40 क्विंटल धान का विक्रय कर रहे हैं। पहले टोकन कटवाने के लिए उपार्जन केन्द्रों में लंबी कतारें और भीड़ झेलनी पड़ती थी, लेकिन अब मोबाइल ऐप से घर बैठे टोकन कटने से समिति के अनावश्यक चक्कर समाप्त हो गए हैं।

उन्होंने बताया कि नमनाकला धान उपार्जन केन्द्र में पहुंचते ही गेट पास, नमी परीक्षण और बारदाना जैसी सभी प्रक्रियाएं सुव्यवस्थित तरीके से पूरी की गईं।

किसानों के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं और समिति के कर्मचारी हर स्तर पर सहयोग कर रहे हैं, जिससे धान विक्रय बिना किसी परेशानी के संपन्न हो रहा है।

दीपन सिंह ने बताया कि वे धान के साथ-साथ मक्का, गेहूं और अरहर की खेती भी कर रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी में वृद्धि हुई है। शासन द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल का सर्वाधिक समर्थन मूल्य और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की व्यवस्था से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, जिससे वे फसल विविधीकरण और आधुनिक खेती में निवेश कर पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लागू की गई किसान हितैषी नीतियों का लाभ सीधे किसानों तक पहुंच रहा है। पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था से किसानों का भरोसा बढ़ा है और छत्तीसगढ़ का किसान आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है।

## किसानों को मिल रहा है समृद्धि और आत्मविश्वास का नया अवसर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लागू की गई पारदर्शी एवं पूर्णत: डिजिटल धान खरीदी व्यवस्था ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों के लिए एक नई और भरोसेमंद व्यवस्था स्थापित की है। यह प्रणाली केवल धान विक्रय तक सीमित नहीं रही, बल्कि किसानों के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास का मजबूत आधार बनकर उभरी है।

पारदर्शी और डिजिटल धान खरीदी व्यवस्था किसानों के जीवन में भरोसे का नया अध्याय लिख रहे हैं। डिजिटल और पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था न केवल किसानों के समय और मेहनत की रक्षा कर रही हैए बल्कि उनके जीवन में स्थिरता, आत्मविश्वास और समृद्धि के नए अवसर भी खोल रही है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम कौड़ीमार निवासी कृषक दयाराम गोंड इसकी एक सशक्त मिसाल हैं।

कृषक दयाराम गोंड ने कौड़ीमार उपार्जन केंद्र में पूरी तरह तकनीक आधारित प्रक्रिया के माध्यम से 42 क्विंटल धान का सफल विक्रय किया। डिजिटल तौल कांटे से सटीक वजन, ऑनलाइन प्रविष्टि और पारदर्शी भुगतान प्रणाली के चलते उन्हें बिना किसी असमंजस के अपनी उपज का मूल्य समय पर प्राप्त हुआ। उपार्जन केंद्र पर किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया, जहां बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, छायादार स्थान और व्यवस्थित कतार प्रणाली से किसानों को सम्मानजनक वातावरण मिला।

दयाराम गोंड ने बताया कि पूर्व वर्षों में धान विक्रय के दौरान लंबा इंतजार, जानकारी का अभाव और भुगतान में देरी जैसी समस्याओं के कारण किसानों को परेशान होना पड़ता था, किंतु इस वर्ष डिजिटल और अनुशासित व्यवस्था ने इन सभी कठिनाईयों को समाप्त कर दिया है। समयबद्ध भुगतान से अब किसान मानसिक रूप से निश्चिंत हैं और अपनी मेहनत का पूरा लाभ पा रहे हैं।

समय पर भुगतान मिलने से दयाराम गोंड अब आगामी फसल की तैयारी बेहतर ढंग से कर पा रहे हैं। कृषि निवेश, बच्चों की शिक्षा और पारिवारिक जरूरतों की योजना वे आत्मविश्वास के साथ बना रहे हैं। उनके अनुसार यह व्यवस्था किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है, जिसने खेती को फिर से सम्मान और स्थायित्व प्रदान किया है।

## पारदर्शिता से जीता 'भरोसा', मेहनत को मिला दाम

उधनापुर ग्राम के निवासी किसान मंगल सिंह की सफलता की कहानी इसी परिवर्तन की सजीव मिसाल है। किसान मंगल सिंह ने कौड़ीमार उपार्जन केंद्र में निर्धारित प्रक्रिया के तहत 67.20 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया।

शासन द्वारा तय समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल के अनुरूप उन्हें उनकी पूरी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हुआ। निर्धारित तिथि पर केंद्र पहुंचते ही टोकन सत्यापन से लेकर तौल और प्रविष्टि तक की पूरी प्रक्रिया सरल और सुव्यवस्थित रही। डिजिटल तौल कांटे से किसान की उपस्थिति में की गई तौल ने पारदर्शिता सुनिश्चित की और वजन को लेकर किसी भी तरह की शंका की गुंजाइश नहीं छोड़ी।

धान उपार्जन केंद्र पर किसानों की सुविधा और सम्मान का विशेष ध्यान रखा गया। बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल और सुव्यवस्थित वातावरण ने किसानों को सहज अनुभव दिया।

मंगल सिंह बताते हैं कि पूर्व वर्षों में धान विक्रय के दौरान देरी, असमंजस और अनिश्चितता बनी रहती थी, लेकिन इस वर्ष तकनीक आधारित व्यवस्था ने इन सभी परेशानियों को समाप्त कर दिया है। स्पष्ट नियम, तय समर्थन मूल्य और समयबद्ध प्रक्रिया से किसानों को मानसिक शांति मिली है।

समय पर धान का विक्रय होने और भुगतान की निश्चितता से मंगल सिंह अब रबी फसल की तैयारी, कृषि निवेश, बच्चों की शिक्षा और पारिवारिक आवश्यकताओं की योजना आत्मविश्वास के साथ बना पा रहे हैं।

यह सफलता कहानी जिले में लागू किसान-हितैषी नीतियों की जमीनी सफलता को दर्शाती है, जो आसपास के क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन रही है।

## केंद्रीय कृषि मंत्री से मिले नेताम, मक्का एवं दलहन प्रोत्साहन के लिए मिले 30.42 करोड़

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री ने नई दिल्ली में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से उनके शासकीय निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मंत्री श्री नेताम ने राज्य में दलहन एवं तिलहन फसलों के विकास से जुड़ी प्रमुख मांगों को रखा।

बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर केन्द्रीय स्तर से स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे राज्य के कृषि क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी। कृषि मंत्री श्री नेताम ने इसे राज्य के किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि केन्द्र-राज्य के समन्वय से राज्य में मक्का एवं दलहन-तिलहन उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री श्री नेताम ने इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से कृषि विकास, आधुनिक कृषि उपकरणों सहित विभिन्न प्रस्ताव रखें। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने राज्य में मक्का फसल प्रोत्साहन हेतु 6 करोड़ 32 लाख 50 हजार और दलहन-तिलहन फसलों के प्रोत्साहन के लिए 24 करोड़ 10 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की है। इससे राज्य में 55 हजार हेक्टेयर में मक्का फसल का प्रदर्शन होगा, जिससे लगभग 7 हजार किसान लाभान्वित होंगे। इसी प्रकार दलहन फसलों के अंतर्गत उड़द एवं मूंग के प्रोत्साहन के लिए 24 हजार 100 हेक्टेयर में फसल प्रदर्शन हो सकेगा, जिससे राज्य के लगभग 28 हजार तक के किसान लाभान्वित होंगे।

मंत्री रामविचार नेताम ने केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान जानकारी दी कि राज्य में परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत वर्ष 2025-26 के लिए 27 करोड़ 68 लाख का प्रस्ताव कृषि मंत्रालय भारत सरकार को स्वीकृति के लिए भेजा गया है।

### पुलिस सैलरी पैकेज के तहत 10-10 लाख रुपये की बीमा सहायता

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ शासन और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के समन्वय से लागू पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत जिला पुलिस कोरबा में पदस्थ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बीमा सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना बीमा और आकस्मिक मृत्यु बीमा जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं शामिल हैं, जिससे पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारजनों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ रहे आरक्षक कृष्ण कुमार खड़िया और आरक्षक सुरेन्द्र लहरे के आकस्मिक निधन के बाद उनके परिजनों को पुलिस सैलरी पैकेज योजना के तहत 10-10 लाख रुपये की बीमा राशि प्रदान की गई। बीमा राशि का वितरण पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक मृत्युंजय वर्मा उपस्थित थे।

## मटर की खेती से शिवराम को मिली नई दिशा

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत रबी फसलों के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, विशेष रूप से दलहन (चना, मटर, मूंग, उड़द) एवं तिलहन (सरसों, मूंगफली) फसल शामिल है। योजना का उद्देश्य दंतेवाड़ा जिले में दाल और तिलहन उत्पादन बढ़ाकर आत्मनिर्भरता विकसित करना है। यह योजना कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों में सिंचाई सुविधा और कृषि प्रौद्योगिकी के उपयोग से उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों की आय में वृद्धि करने पर केंद्रित है।

कृषक शिवराम ने कहा कि अच्छी कीमत मिलने से उनकी आमदनी बढ़ेगी और वे अन्य किसानों को भी दलहन फसलों की खेती के लिए प्रेरित करेंगे।

रबी सीजन (अक्टूबर से प्रारंभ) के लिए इसके क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना एवं क्षेत्र आच्छादन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। ग्राम चंदेनार के कृषक शिवराम भी इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने बताया कि वे पूर्व में खरीफ में केवल धान की खेती करते थे। योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने रबी में दलहन फसल अपनाई और मटर की खेती से बेहतर परिणाम प्राप्त किए। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन मिलने से उनकी खेती की लागत कम रही और फसल विकास बेहतर हुआ।

इन उपलब्धियों के पीछे जिला प्रशासन, कृषि विभाग तथा कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के बीच समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एफपीओ के माध्यम से किसानों को संगठित कर समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा उत्पादित फसलों को बाजार से जोड़ने में सहायता प्रदान की जा रही है।

रबी फसलों के प्रति बढ़ती रुचि दंतेवाड़ा जिले को एकल फसली क्षेत्र से बहु-फसली क्षेत्र की ओर रूपांतरित कर रही है। दलहन और तिलहन उत्पादन में अधिक आत्मनिर्भरता से तथा कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्राप्त होगी।

### धान कटाई के बाद दलहन-तिलहन

दंतेवाड़ा जिले में पहली बार बड़े पैमाने पर धान कटाई के बाद खाली पड़ी कृषि भूमि में रबी फसलों की बुवाई की जा रही है। रबी फसल क्षेत्र आच्छादन कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को दलहन और तिलहन फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे परती भूमि की वर्षों पुरानी परंपरा समाप्त हो रही है और खेत वर्षभर उत्पादनशील बन रहे हैं।

### आय में वृद्धि और मृदा स्वास्थ्य में भी सुधार

रबी फसलों के विस्तार से किसानों को अनेक लाभ मिल रहे हैं। दलहन एवं तिलहन नकदी फसलें होने के कारण किसानों को बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त हो रहा है और वर्ष में दोहरी फसल से अतिरिक्त आय हो रही है। दलहन फसलों की जड़ों में पाए जाने वाले राइजोबियम मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिरीकरण कर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है और मृदा स्वास्थ्य में सुधार आता है।

### उद्यानिकी से बदली आर्थिक तस्वीर

सरगुजा जिले के भगवानपुरखुर्द निवासी किसान लाल बहादुर सिंह ने भी इसी सोच के साथ खेती में नवाचार अपनाया और आज वे एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं उन्नत किसान के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। लाल बहादुर ने बताया कि वर्षों से धान की खेती करने के बाद भी अपेक्षाकृत सीमित लाभ ही मिल पाता था। लागत बढ़ने और मौसम पर निर्भरता के कारण मुनाफा कम हो जाता था। इसी बीच उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने उन्हें स्ट्रॉबेरी जैसी उच्च मूल्य वाली फसल की जानकारी दी और इसके फायदे समझाए। इससे उन्हें अपनी खेती में बदलाव करने की प्रेरणा मिली। स्ट्रॉबेरी की खेती की शुरुआत उन्होंने मात्र 50 डिसमिल क्षेत्र से की थी। लाभ मिलने पर अगले वर्ष एक एकड़ में खेती की और फिर तीसरे व चौथे वर्ष इसे बढ़ाकर ढाई एकड़ तक कर दिया। स्ट्रॉबेरी की खेती करने में लगभग 2 लाख रुपये की लागत आई है। इससे उन्हें करीब 9 लाख रुपये की आमदनी होने का अनुमान है। लागत निकालने के बाद लगभग 7 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है।

### कॉमर्शियल बिजनेस मॉडल की ओर बढ़े कदम

## इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति चंदेल ने किया उत्पाद विक्रय केन्द्र के नए स्वरूप का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** 39वे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में इदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में उत्पाद विक्रय केन्द्र के नये स्वरूप का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ज्ञानेन्द्र मणि, मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड एवं सुरेश चंद्रवंशी, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. एसएस टूटेजा, निदेशक विस्तार सेवाएं ने बताया कि इस केन्द्र के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों से तकनीकी सहायता प्राप्त एफपीओ और स्व: सहायता समूहों के उत्पादों को विक्रय के लिये एक स्थान प्रदाय किया जा रहा है।

इस केन्द्र के माध्यम से विश्वविद्यालय के उत्पाद, भी विक्रय किये जायेंगे। सुरेश चंद्रवंशी, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद छत्तीसगढ़ शासन ने बताया कि समय पर उपलब्धता के साथ उत्पाद गुणवत्ता भी ध्यान देना चाहिये एवं इसके साथ ही राज्य में अन्य जिलों में भी इस तरह के उत्पाद विक्रय केन्द्र खोले जाना चाहिये।

डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति ने अपने उदबोधन में बताया कि कॉमर्शियल बिजनेस मॉडल के आधार पर ग्रासरी और नॉन ग्रासरी आयटम के साथ विश्वविद्यालय के उत्पाद भी स्थानीय लोगों को प्राप्त होंगे। प्रोडक्ट की गुणवत्ता एवं सप्लाई चौन मेनेजमेंट का भी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विशेष ध्यान दिया जायेगा। विक्रय हेतु उपलब्ध उत्पाद के प्रचार प्रसार का भी प्रयास किया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि के रूप में ज्ञानेन्द्र मणी, मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा कृषकों को बाजार उपलब्ध कराया जाना एक महत्वपूर्ण कार्य है। कृषक समूहों के उत्पाद को विक्रय करने से सुविधा प्रदान करना भविष्य में सामूहिक कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उत्पाद विक्रय के लिये आनलाइन माध्यम का उपयोग एवं सही पैकेजिंग भी अत्यंत आवश्यक है।

इस कार्यक्रम में डॉ. वी.के. त्रिपाठी, संचालक अनुसंधान, डॉ. संजय शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, डॉ. अजय वर्मा, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950